आज का विचार

अगर मेहनत से दोस्ती करोगे तो सफलता खुद चलकर आयेगी।

www.ambikavani.com

अम्बिकावाणी

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा ■ वर्ष-24 अंक-80 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

रायपुर, शुक्रवार 23 मई , 2025

मामूली बात पर घर बुला दोस्त पर चाकू से किया वार,केस दर्ज

राजस्थान ने चेन्नई को 6 विकेट से हराया, वैभव सूर्यवंशी ने खेली एक और शानदार पारी

22 अप्रैल का बदला, 22 मिनट में ले लियाज दुश्मन ने देख लिया जब सिंदूर बारूद बन जाता है, तो नतीजा क्या होता है: पीएम मोदी

0 २६,००० करोड़ की विकास परियोजनाओं की सौगात 0 राजस्थान बॉर्डर से एक बार फिर दुश्मन को चेतावनी 0 बीकानेर-मुंबई एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी भी दिखाई

बीकानेर । पाकिस्तान के सबक सीखने वाले ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली बार किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। पीएम मोदी गुरुवार को बीकानेर पहुंचे।

पीएम मोदी सबसे पहले बीकानेर के देशनोक पहुंचे और करणी माता मंदिर में दर्शन कर पूजा-अर्चना की। नीचे देखिए वीडियो। इसके बाद पीएम मोदी ने २६,००० करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया।

इसके बाद जनसभा को संबोधित किया। ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा- च्आतंकियों ने धर्म पूछकर हमारी बहनों का सिंदूर उजाड़ा था। पहलगाम में चली गोलियों से १४० करोड़ देशवासियों की छाती छलनी हो गई थी। सभी ने एकजुट होकर संकल्प लिया कि आतंकियों को मिट्टी में मिला देना है। और आज हम अपने प्रण में सफल हुए हैं।ज

हमारी तीनों सेनाओं ने २२ मिनट में आतंकियों के ९ बड़े ठिकाने ध्वस्त कर दिए। पाकिस्तान को घुटने टेकने के लिए मजबूर कर दिया। दुश्मन और दुनिया ने देखा कि सिंदूर जब बारूद बन जाता है तो क्या नतीजा होता है।ज

ये संयोग ही है कि ५ साल पहले जब बालाकोट में देश ने एयर स्ट्राइक की थी, उसके बाद मेरी पहली जनसभा राजस्थान में ही सीमा पर हुई थी। वीरभूमि का ही ये तप है कि ऐसा संयोग बन जाता है। तो उसके बाद मेरी पहली जनसभा फिर यहां वीरभूमि राजस्थान की सीमा पर बीकानेर में आप सभी के बीच हो रही है।

एयर स्ट्राइक के बाद मैं जब चुरू आया था, तो मैंने कहा था - सौगंध मुझे इस मिट्टी की, मैं देश नहीं मिटने दूंगा, मैं देश नहीं झुकने दूंगा। आज मैं राजस्थान की धरती से देशवासियों से बड़ी नम्रता से कहना चाहता हूं कि को सिंदूर मिटाने निकले थे, उन्हें मिट्टी में मिलाया है। जो हिंदुस्तान का लहू बहाते थे, आज कतरे-कतरे का हिसाब चुकाया है। जो सोच चुके थे कि भारत चुप रहेगा, आज वो घरों में दुबके पड़े हैं। जो अपने हथियारों पर घमंड करते थे, आज वो मलबे के ढेर में दबे हुए हैं।

पीएम मोदी के संबोधन की बड़ी बातें

सभा को संबोधित करते हुए पीए मोदी ने कहा- मैं यहां पर करणी माता का आशीर्वाद लेकर आपके बीच आया हूं। करणी माता के आशीर्वाद से विकसित भारत बनाने का हमारा संकल्प और मजबूत हो रहा है। थोड़ी देर पहले विकास से जुड़ी २६ हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं का यहां शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। मैं इन परियोजनाओं के लिए देशवासियों को, राजस्थान के मेरे भाई-बहनों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

विकसित भारत बनाने के लिए आज देश में आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने का बहुत बड़ा महायज्ञ चल रहा है। हमारे देश की सड़कें, एयरपोर्ट, रेल और रेलवे स्टेशन आधुनिक हो, इसके लिए पिछले ११ साल में अभूतपूर्व गति से काम किया गया है।इंफ्रास्ट्रक्चर के इन कामों पर देश पहले जितना पैसा खर्च करता था, आज उससे ६ गुना ज्यादा पैसा खर्च कर रहा है।

पीएम के कार्यक्रम स्थल पर एक भाजपा समर्थक ने कहा, हम यहां प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करने आए हैं... लोग बहुत उत्साहित हैं... जिस तरह से प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया, उससे लोग बहुत खुश हैं। जिस तरह से हमारी सेना ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया, उसके लिए हम उनके और प्रधानमंत्री मोदी के बहुत-बहुत आभारी हैं।

पहला कॉलम

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई, कर्नाटक के गृह मंत्री के घर पर छापेमारी

नई दिल्ली ,22 मई (ए)। कर्नाटक के गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। मनी लॉन्ड्रिंग और सोना तस्करी से जुड़े एक हाई-प्रोफाइल मामले में उनके घर पर छापेमारी की है। बता दें इससे पहले बुधवार को उनसे जुड़े शैक्षणिक संस्थानों पर छापेमारी की गई थी। यह कार्रवाई धन शोधन रोकथाम अधिनियम के तहत की गई। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, ईडी ने हवाला ऑपरेटरों और अन्य संदिग्ध वित्तीय गतिविधियों से जुड़े लोगों को निशाना बनाया, जो कथित रूप से एक्ट्रेस रान्या राव के खातों में फर्जी लेन-देन कर रहे थे। यह पूरा मामला सोना तस्करी और उससे जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग रैकेट से जुड़ा है, जिसकी जांच पहले से ही सीबीआई और राजस्व खुफिया निदेशालय कर रहे हैं। अब इसी कड़ी में ईडी ने भी संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया और कार्रवाई शुरू की। सूत्रों के अनुसार, ईडी को शक है कि एक शैक्षणिक ट्रस्ट, जो गृह मंत्री जी. परमेश्वर से जुड़ा हुआ है, ने रान्या राव के क्रेडिट कार्ड बिल के भुगतान के लिए 40 लाख रुपये खर्च किए। इस भुगतान के लिए कोई अधिकृत दस्तावेज नहीं मिला है, जिससे संदेह और गहरा गया है। जांच में सामने आया है कि यह ट्रस्ट एक प्रभावशाली राजनीतिक शख्सियत के इशारे पर काम कर रहा था। ईडी की यह कार्रवाई कर्नाटक की राजनीति में हलचल मचा रही है।

कुछ अलग

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में भीषण मुठभेड़, सुरक्षाबलों ने जैश के 3-4 आतंकवादियों को घेरा

श्रीनगर ,22 मई (ए)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के सिंहपोरा इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच गुरुवार सुबह से भीषण मुठभेड़ जारी है। जानकारी के मुताबिक, सुरक्षाबलों ने जैश-ए-मोहम्मद के 3 से 4 आतंकियों को घेर लिया है। यह मुठभेड़ छात्रु क्षेत्र के सिंहपोरा गांव में उस समय शुरू हुई जब जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना और अर्धसैनिक बलों की संयुक्त टीम ने खुफिया जानकारी के आधार पर इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया। तलाशी के दौरान छिपे आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में मुठभेड़ शुरू हो गई।

सूत्रों के अनुसार, यह वही आतंकी समूह है जो हाल ही में इसी क्षेत्र में हुई एक मुठभेड़ के दौरान फरार हो गया था। इस बार सुरक्षाबलों ने उन्हें चारों ओर से घेर लिया है और ऑपरेशन अभी भी जारी है। गौरतलब है कि घाटी में बीते कुछ दिनों से आतंकियों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया गया है। 13 मई को शोपियां में लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकवादी मारे गए थे, वहीं 16 मई को त्राल में जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकियों को ढेर किया गया।

खरी-खरी

भारत अपने फैसले खुद करता है किसी तीसरे पक्ष, ट्रंप के मध्यस्थता के दावों के बीच जयशंकर की दो टूक

नई दिल्ली ,22 मई (ए)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान में आतंक के ठिकानों को बड़ा झटका दिया है। इस सैन्य कार्रवाई के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया था, जिस पर 10 मई को अमेरिका के हस्तक्षेप के बाद सीजफायर की घोषणा कर दी गई। अब विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इस घटनाक्रम पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। जयशंकर इन दिनों यूरोप दौरे पर हैं और डच सरकारी चैनल हहृस को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने पहली बार खुलकर इस संघर्ष और सीजफायर पर बात की। उन्होंने कहा, अमेरिका यह भलीभांति समझता है कि भारत एक स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र है, जो अपने हितों के आधार पर ही निर्णय लेता है। विदेश मंत्री ने कहा कि 22 अप्रैल के हमले के जवाब में भारत का संदेश साफ था, अगर इस तरह के हमले दोबारा हुए, तो कड़ा और निर्णायक जवाब दिया जाएगा। आतंकवादियों को बख्शा नहीं जाएगा, चाहे वे कहीं भी छिपे हों भारत में हों या पाकिस्तान में। उन्होंने यह भी कहा कि इस ऑपरेशन के जरिए एक स्पष्ट संदेश गया है कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 26 निर्दोष लोगों की नृशंस हत्या, जो उनके परिवारों के सामने की गई, बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस सीजफायर का क्रेडिट लेते हुए दावा किया था कि उन्होंने ट्रेड वार्ता के माध्यम से तनाव कम करवाने में अहम भूमिका निभाई है। हालांकि भारत ने ट्रंप के इस दावे को खारिज कर दिया और साफ किया कि जम्मू-कश्मीर सहित भारत-पाकिस्तान से जुड़ा कोई भी मुद्दा केवल द्विपक्षीय बातचीत के जरिए ही सुलझाया जाएगा। जयशंकर ने भी यही दोहराया कि भारत अपने फैसले खुद करता है, और किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता की कोई गुंजाइश नहीं है।

देश के 31 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट, यूपी में 22 लोगों की मौत; पुंछ में तूफान से स्कूल ढहे

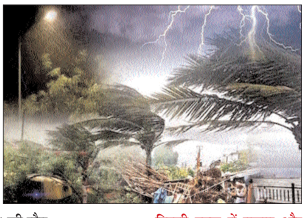

नई दिल्ली ,22 मई (ए)। मौसम विभाग ने देश के 31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है। कई इलाकों में हल्की से लेकर भारी बारिश तक के आसार हैं, जबकि कुछ हिस्सों में तेज गर्मी और लू को लेकर भी चेतावनी दी गई है। बुधवार शाम उत्तर प्रदेश में मौसम ने अचानक करवट ली। मेरठ, आगरा समेत 12 जिलों में तेज आंधी और बारिश हुई। इस दौरान बिजली गिरने, पेड़ और दीवारें गिरने से 22 लोगों की जान चली गई। प्रदेश के 39 जिलों में आज भी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा पुंछ में तूफान से स्कूल ढह गया, हालांकि इस दौरान को जानी नुकसान नहीं हुआ है।

छत्तीसगढ़ में बिजली गिरने से 4 की मौत

छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में बिजली गिरने से पिता-पुत्र समेत 3 लोगों की मौत हुई, जबकि रूष्टक्क जिले में एक ग्रामीण की जान चली गई। मौसम विभाग ने राज्य के 10 जिलों में आज आंधी और बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

दिल्ली-हृष्टक्र में तूफान और ओलावृष्टि, मेट्रो-फ्लाइट सेवाएं प्रभावित

बुधवार रात करीब 8 बजे दिल्ली-हृष्टक्र में तेज आंधी-तूफान के साथ जोरदार बारिश और कई इलाकों में ओलावृष्टि हुई। तेज हवाओं से कई जगह पेड़ और बिजली के खंभे गिर गए, जिससे यातायात बाधित हुआ। तूफान की चपेट में आकर दो लोगों की मौत और कम से कम 11 लोग घायल हुए। खराब मौसम के कारण दिल्ली मेट्रो की सेवाएं प्रभावित रहीं। साथ ही 50 से अधिक फ्लाइट्स में देरी हुई, जिनमें से 10 को जयपुर और एक को मुंबई डायवर्ट किया गया।

राजस्थान में लू का कहर, श्रीगंगानगर देश का सबसे गर्म शहर

राजस्थान के 17 जिलों में लू का रेड अलर्ट जारी किया गया है। बुधवार को देश के टॉप-5 सबसे गर्म शहरों में से 3 राजस्थान से रहे। श्रीगंगानगर में पारा 47.6 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जो देश में सबसे अधिक था। मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो दिनों में कुछ जिलों में तापमान 48 डिग्री तक जा सकता है।

25 मई से लगेगा नौतपा, इस बार इन 9 दिनों में मिल रहे हैं 3 बड़े संकेत

0 आम बोलचाल शब्दों में नौतपा का अर्थ है भयानक और प्रचंड गर्मी के ९ दिन।

0 इन ९ दिनों में धरती ऐसी मालूम पड़ती है जैसे आसमान आग उगल रहा हो।

नौतपा भीषण गर्मी के प्रचंड ९ दिनों को कहा जाता है। नौतपा में लू चलती है और भीषण गर्मी में ऐसा लगता है जैसे आसमान से आग उगल रही हो। विष्णु पुराण में नौतपा यानी प्रचंड गर्मी को कई संकेतों से जोड़कर देखा जाता है। सीहोर के ज्योतिष डॉ पंडित गणेश शर्मा के अनुसार 'सूर्यदेव जब धरती से पूरी नमी सोख लेंगे, तो पृथ्वी कछुए की पीठ की तरह शुष्क नजर आएगी।' विष्णु पुराण में प्रचंड गर्मी के बारे में ऐसी ही भविष्यवाणियां की गई हैं, जो समय बीतने के साथ सच होती दिख रही है। हाल ही में बढ़ती गर्मी ने जिस तरह से अपना शुरूआती रूप दिखाया है, उसे देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि आगे आने वाला समय कितना घातक हो सकता है।

नौतपा में सूर्यदेव धरती तपाएंगे। खासतौर पर बढ़ती गर्मी को देखते हुए लोग इस बात का अंदाजा लगा चुके हैं कि इस साल नौतपा कितना खतरनाक हो सकता है।

नौतपा का अर्थ संक्षेप में समझें, तो मई के आखिर या जून की शुरूआत में प्रचंड गर्मी पड़ती है। इस दौरान तेज लू चलती है। इसे ही ओनौतपा कहते हैं।

विष्णु पुराण में भविष्यवाणियां लिखी गई हैं, जिसे लोग प्रचंड गर्मी और नौतपा से जोड़कर देखते है धार्मिक और पौराणिक महत्व और नौतपा से जुड़े संकेत।

इस वर्ष नौतपा २५ मई से ३ जून तक रहेगा। आम बोलचाल शब्दों में नौतपा का अर्थ है भयानक और प्रचंड गर्मी के ९ दिन।

न ९ दिनों में धरती ऐसी मालूम पड़ती है जैसे आसमान धरती पर आग उगल रहा हो। हालांकि, नौतपा ९ दिन की जगह १५-२० दिनों तक भी चल सकता है।

गर्मियों के महीनों में ये लू भरे दिन आग उगलते हुए लगते हैं। धार्मिक महत्व की बात करें, तो जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करते हैं, तो नौतपा की शुरूआत होती है।

जब सूर्य मृगशिरा नक्षत्र में जाएंगे तो नौतपा की समाप्ति होगी।

नौतपा से केवल भीषण गर्मी नहीं प्रकृति के लिए मिलते हैं ये संकेत

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सूर्य जब रोहिणी नक्षत्र में जाते हैं, तो सूर्य की तपिश कुछ ज्यादा ही बढ़ जाती है।

धार्मिक मान्यता है कि अगर नौतपा के इन ९ दिनों में बारिश नहीं होती, तो उस साल बारिश भी जोरदार होती है। रोहिणी नक्षत्र को तेज हवाओं से जोड़कर देखा जाता है।

इसका अर्थ यह है कि सूर्य के रोहिणी नक्षत्र में होने के प्रभाव से तेज हवाएं, आंधियों और फिर लू में बदल जाती है।

वहीं, चंद्रदेव को शीतलता, मानसिक शांति का कारक माना जाता है लेकिन नौतपा लगने के दौरान चंद्रदेव नौ नक्षत्रों में भ्रमण करते हैं इसलिए शीतलता का प्रभाव नौतपा के दौरान हट जाता है।

प्रचंड गर्मी यानी नौतपा अंत की ओर बढ़ने का संकेत

विष्णु पुराण में इस बात का उल्लेख किया गया है कि हर साल नौतपा यानी सूर्य जब रोहिणी नक्षत्र में जाएंगे, तो इस प्रभाव पिछले साल की तुलना में ज्यादा प्रचंड होगा।

हर साल भीषण गर्मी बढ़ती जाएगी। विष्णु पुराण के अनुसार, पृथ्वी पर भीषण गर्मी प्रलय का संकेत है। भगवान विष्णु सूर्य की किरणों से जल सोख लेते हैं।

समुद्र, नदियां और पर्वत सूख जाते हैं। सात सूर्य रश्मियां सात सूर्य बन जाती हैं। यह घटना विनाशकारी हो सकती है। इस दौरान पृथ्वी पर जीवन असंभव हो जाएगा

नौतपा में इस साल कितना तड़पाएंगे सूर्यदेव

हर साल की तरह इस साल भी नौतपा के दिन बहुत गर्म रहेंगे। बीते सालों को देखते हुए अंदाजा लगाया जा रहा है कि नौतपा में तापमान ४७-४८ सेल्सियस डिग्री के भी पार पहुंच सकता है।

इसका अर्थ यह है कि इस साल भी सूर्यदेव नौतपा में धरती पर आग उगलेंगे, जिसके कारण प्रचंड गर्मी में पृथ्वीलोक के प्राणी तड़प उठेंगे।

ज्योतिष शास्त्र में नौतपा के प्रभाव को कम करने के लिए जल, मटका, अन्न, पंखा, दूध आदि शीतल चीजों को दान करना चाहिए। साथ ही नौतपा के दिनों में सूर्यदेव को जल जरूर अर्पित करें।

हाथियों की वापसी से एक बार फिर ग्रामीणों में दहशत

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। मरवाही वनमंडल क्षेत्र में हाथियों की वापसी से एक बार फिर ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। बीते 10 दिनों से चार हाथियों का दल यहां लगातार विचरण कर रहा है। मरवाही वन परिक्षेत्र के घुसरिया, मंजीटटोला, चिचगोहना और कुम्हारी इलाकों में बीते दो दिनों के भीतर हाथियों ने दो ग्रामीणों के घरों को क्षतिग्रस्त कर दिया है, इसके अलावा 16 किसानों की खड़ी फसलें पूरी तरह बर्बाद कर दी गई हैं। दहशत में ग्रामीण रात को आग जलाकर पहरा दे रहे हैं।

पहला कालम

मामूली बात पर घर बुला दोस्त पर चाकू से किया वार,केस दर्ज

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
दोस्तो के साथ पिकनिक मना कर लौट रहे युवकों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया जिसके बाद घर पहुंच युवक ने दोस्त को घर बुला पहले खूब गाली गलौज की बाद में अचानक चाकू निकाल कर उस पर हमला कर दिया,जिससे युवक को चेहरे सहित शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आई है।प्रार्थी कॉलेज छात्र अनुग्रह शिंदे पिता विनय शिंदे निवासी सरकारी अस्पताल के पीछे बिश्रामपुर की रिपोर्ट पर आरोपी युवक आकाश सिंह उसके पिता कन्हैया सिंह,चाचा दिनेश सिंह भाई कन्नू सिंह चाची संगीता और मीना निवासी सतपता के खिलाफ बिश्रामपुर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा ११५(२),१९१(३),२९६,३५१ (३) के तहत केस दर्ज किया है।पुलिस ने बताया कि प्रार्थी अनुग्रह शिंदे जो साईं बाबा कॉलेज अंबिकापुर का छात्र है वह अपने दोस्तो राहुल यादव,रोहित तिवारी, आकाश सिंह,अभिषेक कश्यप के साथ बुधवार को लिब्रा वॉटर फॉल पिकनिक मनाने गए थे वापसी में अनुग्रह का आकाश सिंह से किसी बात को लेकर विवाद हो गया जिसके बाद आकाश ने फोन पर उसे अपने घर बुला आरोप है कि आकाश और उसके परिजनों ने अनुग्रह से खूब गाली गलौज किया उसके बाद अचानक आकाश ने उस पर चाकू से हमला कर दिया जिससे अनुग्रह को चोटें आई है।पुलिस मामले में बीएनएस के विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है।घटना बुधवार रात्रि दस बजे की बताई गई है।

राज्य निर्वाचन आयोग सचिव ने उप जिला निर्वाचन अधिकारियों की ली समीक्षा बैठक

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव श्री सुखनाथ अहिरवार ने अपने कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत उप जिला निर्वाचन अधिकारियों की प्रथम बैठक लेकर परिचय उपरांत आयोग की सामान्य कार्य प्रणाली तथा निर्वाचन की गतिविधियों की समीक्षा की। राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव श्री सुखनाथ अहिरवार की अध्यक्षता में यह बैठक विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नवा रायपुर अटल नगर स्थित आयोग कार्यालय से संपन्न हुई, जिसमें प्रदेश के सभी जिलों के उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं संबंधित अधिकारी शामिल हुए।

एक राष्ट्र, एक चुनाव से होगी 5 लाख करोड़ से अधिक की बचत - शिवरतन शर्मा

अंबिकापुर में एक राष्ट्र, एक चुनाव विषय पर प्रबुद्धजन संगोष्ठी का सफल आयोजन

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
एक राष्ट्र, एक चुनाव विषय पर प्रबुद्धजन संगोष्ठी का सफल आयोजन संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय एवं भारत विकास परिषद् के संयुक्त तत्वावधान में च्च्एक राष्ट्र, एक चुनावज्ज विषय पर एक दिवसीय प्रबुद्धजन संगोष्ठी का आयोजन आज अंबिकापुर स्थित पी.जी. कॉलेज ऑडिटोरियम में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों, प्रबुद्धजनों, छात्र-छात्राओं एवं जनप्रतिनिधियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा ने च्च्भारत माता की जयज्ज के उद्घोष से अपने संबोधन की शुरूआत की। उन्होंने ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वर्ष १९६७ तक लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ होते थे, लेकिन विभिन्न राज्यों में सरकारों के असमय विघटन के कारण यह व्यवस्था बाधित हुई। उन्होंने कहा कि वर्तमान में आदर्श आचार संहिता के चलते कुल ११ महीने प्रशासनिक कार्य प्रभावित रहते हैं, और यदि सभी चुनाव एक साथ हों तो सरकार को सुचारु रूप से कार्य करने हेतु अधिक समय मिलेगा।
उन्होंने बताया कि एक राष्ट्र, एक चुनाव की व्यवस्था से लगभग ५ लाख करोड़ रुपये से अधिक की बचत हो सकती है। मतदाता सूची बार-बार बनाने की आवश्यकता नहीं होगी, मतदान प्रतिशत में वृद्धि होगी, और प्रशासनिक संसाधनों की भी बचत होगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि एक साथ चुनाव कराने हेतु मजबूत बहुमत आवश्यक है, जिसे लेकर च्च्४०० पारज्ज का नारा दिया गया है। उन्होंने विपक्ष द्वारा संविधान को लेकर उठाए गए संदेहों को निराधार बताया। सांसद चिंतामणि महाराज ने अपने संबोधन में कहा कि एक राष्ट्र, एक चुनाव विषय पर भाजपा की पहल निश्चित ही जनहित में है। उन्होंने कहा कि भाजपा अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने हेतु निरंतर कार्य कर रही है, और यही भावना इस विषय के पीछे भी है। संभाग प्रभारी अखिलेश सोनी ने कहा कि यह विषय वर्ष १९८४ से भाजपा के घोषणापत्र में सम्मिलित है, और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की मंशा है कि देश में एक समान चुनाव प्रणाली हो। उन्होंने बताया कि चुनाव प्रक्रिया में व्यतीत होने वाला समय प्रशासनिक विकास को बाधित करता है।
भाजपा सरगुजा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि कांग्रेस की नीतियों के कारण चुनावों में असमानता आई। एक राष्ट्र, एक चुनाव व्यवस्था से न केवल समय बल्कि आर्थिक संसाधनों की भी बचत होगी, जिससे जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में तीव्रता लाई जा सकेगी। प्रो. समन नारायण उपाध्याय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने एक राष्ट्र, एक विधान की अवधारणा को साकार किया है, और अब एक राष्ट्र, एक चुनाव की दिशा में कदम बढ़ाना समय की मांग है। उन्होंने कहा कि भारत एक च्च्सार्वभौम लोकतांत्रिक गणराज्यज्ज है, और जन-जन की सहभागिता से यह संकल्प साकार हो सकता है। कार्यक्रम के समापन अवसर पर सभी अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। च्च्वंदे मातरमज्ज की मनमोहक प्रस्तुति शताक्षी वर्मा द्वारा की गई। मंच संचालन संतोष दास एवं आभार प्रदर्शन भाजपा जिला संयोजक मधुसूदन शुक्ला द्वारा किया गया। इस अवसर पर मेजर अनिल सिंह, ललन प्रताप सिंह, ओमप्रकाश जायसवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह, हरपाल सिंह भमरा, महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी, अभिमन्यु गुप्ता, पार्षद मनीष सिंह, प्राचार्य डॉ. आर.एन. खरे, कुलसचिव डॉ. शारदा त्रिपाठी, बृजेश पांडेय, अजय तिवारी, डॉ. अंजन सिंह, करता राम गुप्ता, दिनेश अग्रवाल, देवनाथ सिंह पैकरा, विनोद हर्ष, विकास पांडेय, निलेश सिंह, मुरारी बंसल, वैभव सिंह देव, विजय सोनी, अनिल तिवारी, श्रीमती किरण मिश्रा, श्रीमती रेवती त्रिपाठी, अभिषेक शर्मा, रुपेश दुबे, कमलेश तिवारी, मनोज कंसारी, आशीष गुप्ता, प्रबोध सिंह, अखंड विधायक सिंह, दिनेश बारी, तिलोचन सदावर्ती, राजू सिंह, प्रयाग साहू, अजय सिंह, राजेंद्र जायसवाल, कृष्ण कुमार शर्मा, मनोज सोनी, सर्वेश तिवारी, शरद सिंह, संजू वर्मा, मयंक जयसवाल, अंशुल श्रीवास्तव, अजय सोनी, श्रीमती पूनम मिश्रा, श्रीमती नलिनी पांडेय, श्रीमती श्वेता गुप्ता, श्रीमती पूजा सोनी, श्रीमती इंदु नेताम, विकास शुक्ला, सोलू सिंह, अंकित सिंह, मंटू शुक्ला, रोहित कुशवाहा, दीपक गर्ग, श्रीमती रेणु भारती, श्रीमती सरस्वती यादव, श्रीमती शालिनी सिंह सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, बुद्धिजीवी वर्ग, छात्र-छात्राएँ एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे.

वन अधिकार पट्टा में बड़ा फजीवाड़ा, एक ही परिवार को 90 एकड़ जमीन का पट्टा

पूर्व सरपंच की कारगुजारी आई सामने

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
संभाग मुख्यालय से लगे ग्राम कोलडीहा में वन भूमि को लेकर एक बड़े फजीवाड़े का खुलासा हुआ है, जिसने न केवल ग्रामीणों को झकझोर कर रख दिया है, बल्कि शासन-प्रशासन की भूमिका पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। युवक कांग्रेस भटगांव विधानसभा अध्यक्ष ने विक्की समद्दार ने सूरजपुर कलेक्टर को पत्र लिखकर एक संगठित धोखाधड़ी की शिकायत की है। कलेक्टर को दिए ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि ग्राम पंचायत कोलडीहा के पूर्व सरपंच सुमित केरकेट्टा और उसके परिवारजनों ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर लगभग ९० से ९५ एकड़ वन भूमि का अधिकार पत्र एक ही परिवार के सदस्यों के नाम पर हासिल कर लिया है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि वन अधिकार पट्टा खसरा नंबर पीएफ २५३३ आमगांव प्लांटेशन वन विभाग सूरजपुर की भूमि पर जारी किए गए वन अधिकार पत्र को ग्राम पंचायत कोलडीहा के पूर्व सरपंच पति सुमित केरकेट्टा एवं भतीजा महेश केरकेट्टा पिता प्रताम केर-केट्टा, उमेश केरकेट्टा पिता प्रताम केरकेट्टा, हरदयाल केरकेट्टा पिता प्रताम केरकेट्टा, रजनी केरकेट्टा, पिता प्रताम केरकेट्टा, समिता केर-केट्टा पति महेश केरकेट्टा, सुमित केरकेट्टा पिता मंगलू केरकेट्टा के नाम प्राप्त किया गया है, जबकि उक्त सभी नाम एक ही परिवार से संबंधित हैं। आरोप यह भी है कि आवेदन प्रक्रिया, दस्तावेजी सत्यापन और पंचायत स्तर की स्वीकृति में गंभीर अनियमितता बरती गई है।

ग्रामीणों का आरोप है कि फर्जी हस्ताक्षर कराए गए हैं और पात्र लोगों को आवेदन तक नहीं करने दिया गया है। पारिवारिक गठजोड़ से वन भूमि हड़प ली गई है। यह प्रकरण इसलिए और भी चौंकाने वाला है क्योंकि गांव के अन्य वास्तविक पात्र लोगों का वन अधिकार पट्टा वर्षों से लंबित पड़ा है, लेकिन जिन परिवारों ने आवेदन ही नहीं किया, उन्हें भारी-भरकम जमीन का पट्टा एकाएक जारी कर दिया गया। ग्रामीणों का यह भी दावा है कि न तो ग्रामसभा की सहमति ली गई, न ही जनसुनवाई हुई है। युवक कांग्रेस भटगांव विधानसभा अध्यक्ष विक्की समद्दार ने ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया है कि यदि प्रशासन १० दिन के भीतर इस मामले की निष्पक्ष जांच कर फर्जी पट्टों को निरस्त नहीं करती है, तो ग्रामवासियों के साथ मिलकर उग्र आंदोलन किया जाएगा। यह मामला सिर्फ एक जमीन का नहीं है, बल्कि पूरे वनाधिकार कानून की साख, पारदर्शिता और ग्राम अधिकारों की रक्षा से जुड़ा है। अब देखना यह होगा कि सूरजपुर प्रशासन इस गंभीर फजीवाड़े पर क्या कार्यवाही करता है।बता दें कि गत वर्ष उक्त भूमि पर सरपंच और उसके परिवार द्वारा कब्जे के उद्देश्य से ट्रेक्टर लगाकर शासकीय भूमि की जुताई कर दी थी,बाद में जयनगर सर्किल इंस्पेक्टर द्वारा मौके पर जाकर रोक लगा दिया था ग्रामीणों ने भी सूरजपुर डीएफओ ऑफिस का घेराव कर वन भूमि के बड़ी भूखंड का वन भूमि का फर्जी वन अधिकार पत्र पूर्व सरपंच और उसके परिवार द्वारा बना लेने की शिकायत की गई थी लेकिन इस मामले में अब तक कोई कार्यवाही हुई और न ही फर्जी तौर पर बने वन अधिकार पत्र की जांच की गई जिसके बाद अब पुनः युवक कांग्रेस द्वारा मामले की शिकायत कलेक्टर से कर जांच की मांग की गई है।

ग्राम हरगवां में किया गया विशेष समाधान शिविर का आयोजन

ग्रामीणों की समस्याओं का किया गया त्वरित समाधान

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
मुख्यमंत्री के निर्देश पर आज ग्राम पंचायत हरगवां में विशेष समाधान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान कर उन्हें त्वरित राहत प्रदान करना था। शिविर को लेकर सुबह से ही ग्रामीणों में काफी उत्साह था। गांव के लोगों ने शिविर में उपस्थित अधिकारियों से अपनी विभिन्न समस्या जैसे भूमि सीमांकन, वन पट्टा नाम सुधार, सड़क बनाए जाने के संबंध में आदि संबंधित समस्याएं रखीं गई। जिसके शीघ्र निराकरण की कार्यवाही जारी है। शिविर में अधिकारियों ने ग्रामीणों को राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी और

पात्र लोगों को योजनाओं से जोड़ने की प्रक्रिया भी शुरू की गई। साथ ही ग्रामीणों को आवश्यक दस्तावेज कैसे बनवाएं इसकी प्रक्रिया भी समझाई गई। गांव के महिलाओं और किसानों ने शिविर के आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त की और मुख्यमंत्री तथा जिला प्रशासन के प्रति आभार जताया। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सुशासन तिहार अंतर्गत हरगवां में आयोजित यह विशेष समाधान शिविर में न केवल जनसमस्याओं का समाधान हुआ, बल्कि शासन की योजनाएं अब सीधे गांवों तक पहुंच रही हैं। इससे दूरदराज क्षेत्रों में ग्रामीणों का शासन-प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर हुई त्वरित कार्रवाई

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आकस्मिक निरीक्षण के दौरान हरगवां ढोढरीखाला में चौपाल लगाकर ग्रामीणों से उनकी समस्याएं सुन रहे थे, इस दौरान ग्राम की एक बुजुर्ग महिला श्रीमती चानो हसदावर ने मुख्यमंत्री को अपनी व्यथा साझा करते हुए बताया कि १५ महीने से महतारी वंदन योजना की राशि नहीं मिल पा रही है। जिस पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने त्वरित संज्ञान लेकर संबंधित अधिकारियों से इसकी जानकारी ली। जिस पर अधिकारी ने बताया कि चानो हसदावर के खाते में हर महीने महतारी वंदन का पैसा जमा हो रहा है। परन्तु ई-केवायसी नहीं होने से पैसा नहीं निकल पा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कल ही इसका निराकरण करते हुए श्रीमती चानो हसदावर को १५ माह का महतारी वंदन का राशि प्रदान करें। मुख्यमंत्री के निर्देश पर श्रीमती चानो हसदावर को आज २२ मई को बैंक ले जाकर उनकी समस्या का समाधान कर १५ माह की राशि दिलाई गया। राशि प्राप्त होने के बाद श्रीमती चानो की आंखों में खुशी के आंसू थे। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति हृदय से आभार प्रकट किया और कहा कि शासन वास्तव में हम ग्रामीण परिवारों की सुनता है। राशि मिलने पर श्रीमती चानो ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को हृदय से धन्यवाद दिया है।

सीएमएचओ ने राजपुर में ली स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार कटारा के निर्देशन व मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के मार्गदर्शन में जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के क्रियान्वयन और लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाने तथा स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत संचालित योजनाओं का लाभ सभी को मिले, इसके लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बसंत कुमार सिंह व जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री स्मृति एक्का के द्वारा जिले के सभी विकासखंडो में विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक लिया जा रहा है।
इसी कड़ी में विकासखण्ड राजपुर में ब्लाक स्तरीय स्वास्थ्य विभाग का समीक्षा बैठक लिया गया। बैठक में शासन द्वारा जारी किए गए नये नवीन सेवा जिम्मेदारी से सभी स्टाफ को अवगत कराया गया और अपने दिए गए कार्य दायित्यों का पालन करने निर्देश दिया गया।
बैठक में डॉ. सिंह ने प्रथम तिमाही में गर्भवती माता का पंजीकरण करने, शासन के योजनाओं के लाभ हेतु प्रथम तिमाही दौरान ही हितग्राही का बैंक खाता व अन्य आवश्यक जानकारी रखने निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सभी गर्भवती महिलाओं का चार प्रसव पूर्व जांच अनिवार्य हो व उच्च जोखिम वाले गर्भवती महिलाओं का ०६ प्रसव पूर्व जांच पूर्ण किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने उपस्थित अधिकारी व

कर्मचारियों एवं मितानिनों को निर्देश देते हुए गर्भवती माताओं के घर प्रथम तिमाही के पंजीकरण के बाद, संस्थागत प्रसव होने, टीकाकरण तक और मां एवं बच्चे के स्वस्थ होने तक नियमित गृह भेंट करने को कहा। ताकि जच्चा-बच्चा दोनों सुरक्षित रहे। साथ ही इस संबंध में किसी भी प्रकार की शिकायत प्राप्त होती है तो नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। डॉ. सिंह ने कहा कि अपने दायित्वों का निर्वहन पुरी निष्ठा से करें और हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलायें। उन्होंने खंड चिकित्सा अधिकारी से ब्लाक में चल रहे समस्त राष्ट्रीय कार्यक्रमों के रिपोर्ट व ब्लाक में निवासरत विशेष जनजाति समूह पहाड़ी कोरवा परिवार को पीएम-जनमन में दिए गए लाभ और उनकी सूचि उपलब्ध कराने निर्देशित किया।
डॉ. सिंह ने गैर संचारी रोग की स्क्रीनिंग सुनिश्चित करने साथ ही डाटा को नियमित रूप से अपडेट रखने तथा केंद्र व राज्य शासन से प्राप्त होने वाले निदेर्शों का समय-सीमा में क्रियान्वयन सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के समस्त गतिविधियों और केंद्रों पर होने वाली गतिविधियों की जानकारी लोगों तक प्रसारित करने को कहा, ताकि कोई भी व्यक्ति सरकार द्वारा दी रही निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने सभी पीएचसी प्रभारी व सीएचओ को अपने केंद्र में वेलनेस एक्टिविटी कैलेंडर अनुसार कार्य करने निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि चिकित्सक अनिवार्य रूप से मुख्यालय में रहना सुनिश्चित करें ताकि डिलीवरी के लिए आने वाली महिलाओ को प्रसव में किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। इसके साथ ही उन्होंने चिकित्सकों द्वारा ओपीडी तथा आइपीडी में मरीजों के इलाज के आंकड़ों की समीक्षा की और नियमित रूप से अस्पताल में उपलब्ध रहकर मरीजों के इलाज करने के निर्देश दिए। डॉ. सिंह ने सभी चिकित्सको को मरीजों के रिकॉर्ड संधारण व पोर्टल का उपयोग पोस्टमार्टम हेतु करने का निर्देश दिया। साथ ही डॉ. सिंह ने बिना सूचना के अनुपस्थित एवं कार्य में लापरवाही बरतने व टी.ओ.आर. अनुसार कार्य नहीं करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों के प्रति विभागीय कार्यवाही करने हेतु निर्देशित भी किया।

खोडरो, नवाडीह एवं पेण्डारी में किया गया समाधान शिविर का आयोजन, खोडरो शिविर में शामिल हुई विधायक श्रीमती उद्धेश्वरी पैकरा

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
छत्तीसगढ़ शासन की पहल पर आयोजित सुशासन तिहार आम जनता की समस्याओं के समाधान का प्रभावी माध्यम बन रहा है। इसी क्रम में बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के राजपुर विकासखंड के खोडरो में समाधान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में सामरी विधायक श्रीमती उद्धेश्वरी पैकरा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रही। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि शामिल हुए।
समाधान शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित २३८१ मांग तथा ४५ आवेदन शिकायत के प्राप्त हुए थे, जिसका निराकरण किया गया। शिविर में राजस्व, पंचायत, ग्रामीण विकास, वन, स्वास्थ्य, विद्युत, कृषि, शिक्षा सहित सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। समाधान शिविर में लोगों के राशन कार्ड, पेंशन, पीएम आवास, जाति प्रमाण पत्र, बिजली बिल, चिकित्सा सुविधा के प्राप्त आवेदनों का निराकरण किया गया।
शिविर में मुख्य अतिथि श्रीमती उद्धेश्वरी पैकरा विधायक के द्वारा ०५ हितग्राहियों को पेंशन स्वीकृति पत्र, ०४ हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड, ०५ हितग्राहियों को ई श्रम कार्ड, ०५ हितग्राहियों परिवार को

मनरेगा का जॉब कार्ड, प्रधान मंत्री आवास के ०५ हितग्राहियों को मकान का चाबी, ०५ महिलाओं को लखपति दीदी सम्मान प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। शिविर में खण्ड स्तरीय समस्त विभाग के द्वारा अपने-अपने विभागीय योजनाओं की प्रदर्शनी लगाया गया थी, साथ ही शिविर में उपस्थित ग्रामीणों को सभी विभाग के अधिकारियों के द्वारा विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई और सुशासन तिहार अन्तर्गत प्रथम चरण में खोड़रो कलस्टर अन्तर्गत मांग के कुल प्राप्त २३८१ और शिकायत के ४५ आवेदनों पर की गई। कार्यवाही एवं निराकरण के सम्बन्ध में समस्त विभाग प्रमुख के द्वारा शिविर में उपस्थित लोगों को बताया गया। साथ ही शिविर स्थल पर प्राप्त आवेदनों पर कार्यवाही कर किये गए। निराकरण की जानकारी सम्बन्धित विभाग के द्वारा आवेदक को दिया गया। समाधान शिविर में कलस्टर खोडरो के अंतर्गत खुखरी, खोडरो, उधवाकटरा, कुंदिकला, बदौली, शिवपुर, रेवतपुर, खोखनियां, धंधापुर, परसवारकला, डकवा एवं चांची ग्राम पंचायतों को सम्मिलित किया गया था। समाधान शिविर में मिले त्वरित न्याय और सेवा से ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गई। लोगों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार जताते हुए कहा कि यह पहल जनता और सरकार के बीच भरोसे की मजबूत कड़ी साबित हो रही है। इसके साथ ही विकासखण्ड रामचन्द्रपुर के कलस्टर ग्राम नवाडीह एवं विकासखण्ड वाड्रफनगर के कलस्टर ग्राम पेण्डारी में भी समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन अपने आवेदन पत्रों के निराकरण की जानकारी प्राप्त करने पहुंचे। इस दौरान क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के द्वारा विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों को सामग्री का वितरण किया गया।
शिविर में जनपद पंचायत राजपुर के अध्यक्ष श्री विनय भगत, उपाध्यक्ष श्री आकाश अग्रवाल, जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत सदस्य, एसडीएम श्री राजीव जेम्स कुजूर, सीईओ जनपद पंचायत श्री अनिल तिवारी, तहसीलदार श्री नरेन्द्र पैकरा, सहित समस्त विभाग के खण्ड स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी व खोड़रो कलस्टर क्षेत्र के सभी पंचायत के सरपंच, पंच एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

छोटी खबरें

दस वर्षों से अधूरी पड़ी ग्राम पंचायत बसीन, फुलसारी से गिरारी तक की सड़क, ग्रामीणों का टूटा सब्र

कोरबा अम्बिकावाणी - जिले के रामपुर विधानसभा अंतर्गत ग्राम पंचायत बसीन, फुलसारी से गिरारी तक जाने वाला मुख्य मार्ग पिछले लगभग दस वर्षों से अधूरा पड़ा हुआ है। अब यह मार्ग पूरी तरह से गड्ढों में तब्दील हो चुका है, जिससे प्रतिदिन आवागमन करने वाले सैकड़ों ग्रामीणों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की स्थिति इतनी बदतर हो चुकी है कि यह अब जानलेवा बन गई है। बारिश के मौसम में यह मार्ग कीचड़ और जलभराव से भर जाता है, जिससे पैदल चलना तक मुश्किल हो जाता है। रात के समय अंधेरे में गड्ढों के कारण दुर्घटना का खतरा और बढ़ जाता है। आए दिन लोग चोटिल हो रहे हैं। स्कूली बच्चों, मरीजों और दफ्तर जाने वालों को भारी दिक्कतें हो रही हैं। ग्रामीणों ने बताया कि वे कई बार इस समस्या की शिकायत संबंधित विभाग से कर चुके हैं, लेकिन अब तक न मरम्मत हुई है और न ही किसी प्रकार का निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ है।

विभाग की लापरवाही से ग्रामीणों में आक्रोश

स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह मार्ग क्षेत्र को जोड़ने वाला एकमात्र संपर्क मार्ग है, इसके बावजूद संबंधित विभाग द्वारा लगातार अनदेखी की जा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि वे कई बार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंप चुके हैं, पर हर बार उन्हें केवल आश्वासन देकर लौटा दिया गया। विभागीय उदासीनता के चलते अब लोगों में नाराजगी बढ़ रही है।

विधायक का दावा - जल्द शुरू होगा सड़क कार्य

रामपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक फूल सिंह राठिया ने बताया कि च्च्बसीन फुलसारी से गिरारी तक की सड़क की जर्जर स्थिति को लेकर ग्रामीण मेरे पास आए थे। मैंने तत्काल मामले को संज्ञान में लेते हुए लोक निर्माण विभाग को पत्राचार किया है। विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि जल्द से जल्द सड़क निर्माण व मरम्मत कार्य प्रारंभ किया जाए।

बजट स्वीकृति के इंतजार में विभाग - इस विषय में जब लोक निर्माण विभाग के जिम्मेदार अधिकारी जी.आर. जांगड़े से संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि च्च्इस मार्ग की मरम्मत व निर्माण के लिए बजट में एस्टीमेट भेजा गया है। जैसे ही स्वीकृति मिलती है, कार्य तत्काल शुरू कर दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) में लापरवाही पर कार्यवाही, कम प्रगति वाले सात ग्राम पंचायत सचिवों का मई 2025 का वेतन आहरण रोका गया

कोरबा अम्बिकावाणी - प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत लक्ष्य अनुरूप प्रगति नहीं होने पर जिला पंचायत कोरबा द्वारा सख्त कार्रवाई की गई है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री दिनेश कुमार नाग ने आज जनपद पंचायत पाली में आयोजित समीक्षा बैठक में आवास निर्माण की धीमी प्रगति पर गंभीर असंतोष व्यक्त करते हुए ७ ग्राम पंचायत सचिवों का मई २०२५ माह का वेतन आहरण रोकने के निर्देश जारी किए हैं। सीईओ श्री नाग ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) केंद्र एवं राज्य शासन की अत्यंत महत्वाकांक्षी एवं जनकल्याणकारी योजना है, जिसका उद्देश्य जरूरतमंद ग्रामीण परिवारों को पक्के आवास उपलब्ध कराना है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि इस योजना के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही, उदासीनता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि वर्ष २०२४-२५ में जिले को इस योजना के अंतर्गत वृहद लक्ष्य प्रदान किया गया है, जिसके अनुरूप सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कार्यवाही कर लक्ष्य प्राप्ति हेतु निर्देशित किया गया था। बावजूद इसके, वांछित प्रगति नहीं लाना योजना के लक्ष्य पूर्ति में बाधक बन रहा है। १५त्न से कम प्रगति वाले ग्राम पंचायत सचिव- राधेलाल कंवर ग्राम पंचायत चैनपुर ,परदेशी राम टेकाम ग्राम पंचायत चेपा,सतोष राव ग्राम पंचायत शिवपुर,हरप्रसाद पटेल ग्राम पंचायत जोरहाडबरी, शिवराम निषाद ग्राम पंचायत सपलवा,चंद्रिका प्रसाद तवर ग्राम पंचायत बारीउमराव, अशलेष कुमार डिक्सेना ग्राम पंचायत थुकुपथरा के वेतन रोके जाने की कार्यवाही की गई है।

सीईओ श्री नाग ने उपसंचालक पंचायत को पत्र लिखकर निर्देशित किया है कि उक्त ग्राम पंचायत सचिवों का वेतन आहरण रोका जाए तथा की गई कार्यवाही से अधोहस्ताक्षरकर्ता को अवगत कराया जाए।

कोरबा में वयोवृद्धों के लिए वृहद स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा किया जाएगा निःशुल्क उपचार

कोरबा अम्बिकावाणी - जिले में वृद्धजनों के स्वास्थ्य संरक्षण हेतु एक सराहनीय पहल के तहत ३० मई २०२५ को सियान सदन कोरबा में वयोवृद्ध देखभाल कार्यक्रम के अंतर्गत वृहद स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर कलेक्टर श्री अजीत वसंत के मार्गदर्शन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस.एन. केशरी के नेतृत्व में आयोजित किया जाएगा।

इस शिविर में ६० वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों एवं पेंशनधारियों को मेडिसिन, नेत्र, नाक-कान-गला, अस्थि, स्त्री रोग, मानसिक रोग, दंत, आयुर्वेद एवं फिजियोथेरेपी के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क परामर्श, गुणवत्तापूर्ण उपचार एवं आवश्यक दवाइयाँ प्रदान की जाएंगी। साथ ही उन्हें स्वस्थ जीवनशैली, योग, प्राणायाम व नियमित व्यायाम के लिए विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन दिया जाएगा।

पूर्व में भी चला विशेष अभियान - राष्ट्रीय वयोवृद्ध स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम के तहत १ मई से ३१ मई २०२५ तक कोरबा जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग, नगर निगम, पंचायत, समाज कल्याण एवं आयुष विभाग के संयुक्त सहयोग से विभिन्न तिथियों में प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में वयोवृद्धों की बिमारियों की स्क्रीनिंग कर उन्हें आवश्यक उपचार व सहायक उपकरण प्रदान किए गए।

बुजुर्गों की सेहत के लिए विशेष पहल- सीएमएचओ डॉ. एस.एन. केशरी ने जानकारी देते हुए बताया कि वृद्धावस्था में स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा अधिक बढ़ जाता है। इस उम्र में आंखों की रोशनी कम होना, सुनाई न देना, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, गठिया, हृदय रोग, पर्किंसन्स, मनोभ्रम जैसी बीमारियों की आशंका रहती है। ऐसे में नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित आहार और योग जैसी जीवनशैली अपनाना अत्यंत आवश्यक है।

उपलब्ध होंगे सहायक उपकरण- स्वास्थ्य शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण के साथ ही वयवंदन कार्ड और आभा आईडी बनाए जाएंगे। जरूरतमंद बुजुर्गों को वॉकर, स्टिक, व्हीलचेयर व हियरिंग एड जैसे सहायक उपकरण समाज कल्याण विभाग द्वारा निःशुल्क वितरित किए जाएंगे।

प्रशासन की अपील झ अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुंचे वयोवृद्ध- कलेक्टर अजीत वसंत एवं सीएमएचओ डॉ. केशरी ने जिलेवासियों, जनप्रतिनिधियों एवं स्वंयसेवी संस्थाओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में वरिष्ठ नागरिकों को इस शिविर में भेजें, ताकि उनका समुचित स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार सुनिश्चित किया जा सके।

ग्राम पंचायत अजगरबहार समाधान शिविर में दी गई कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी

सुशासन तिहार अंतर्गत प्राप्त 4740 आवेदनों में से 4503 का हुआ निराकरण

कोरबा अम्बिकावाणी - सुशासन तिहार २०२५ के अंतर्गत विकासखंड कोरबा के ग्राम अजगरबहार में आयोजित समाधान शिविर में सुशासन तिहार के तहत प्राप्त ४७४० आवेदनों में ४५०३ आवेदनों का निराकरण होने की जानकारी दी गई। शिविर में विभागीय अधिकारियों द्वारा शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए इसका लाभ उठाने की अपील ग्रामीणों से की गई। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवन सिंह ने शिविर का लाभ बताते हुए, विभागीय समीक्षाओं को और स्पष्ट रूप से करने, खेती हेतु मिट्टी परीक्षण कराने, संबंधित विभाग को पानी की उचित व्यवस्था करने, वन पट्टा हेतु ग्रामसभा में पहले अनुमोदन कराने, ग्रामीणों के बिजली सुविधा हेतु क्षेत्र में सौर ऊर्जा प्लेट लगाने की बात कही। जिला पंचायत सदस्य रेणुका राठिया द्वारा शासन के जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लेते हुए अधिक से अधिक लाभ लेने को कहा गया। श्रीमती कौशाम्बी गबेल मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कोरबा द्वारा सुशासन तिहार के सभी चरणों की जानकारी देते हुए अजगरबहार कलस्टर में प्राप्त आवेदन की निराकरण की जानकारी देते हुए जनपद पंचायत कोरबा में प्राप्त आवेदन का विवरण दिया गया। उनके द्वारा बताया गया कि कलस्टर में प्राप्त कुल ४७४० आवेदन में ४५०३ आवेदनों का निराकरण कर लिया गया है। एसडीएम कोरबा सरोज महिलांगे द्वारा सभी जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणजनों व शासकीय अधिकारी- कर्मचारियों से पेंशन के पात्र हितग्राहियों को पेंशन देने, सहयोग भाव से ग्रामीणों की सेवा करने, वृक्षारोपण करने व जल संरक्षण करने की बात कही गई। शिविर में ग्राम पंचायत अजगरबहार, माखुरपानी, कछार, सोनगुढ़ा को स्वास्थ्य विभाग द्वारा टीबी मुक्त ग्राम पंचायत का प्रमाण पत्र वितरण किया गया। साथ ही ०७ हितग्राही को मनरेगा कार्ड, १५ राशनकार्ड, ८० पेंशन, ०५ आवास स्वीकृति, ०३ वन अधिकार पट्टा, ०१ जाति प्रमाण पत्र और ०१ हितग्राही को निवास प्रमाण पत्र का वितरण किया गया । शिविर में जनपद सदस्य रफीक मेमन, गायत्री कंवर, गायत्री मंझवार, ललिता साहू, हरिशंकर यादव मंडल अध्यक्ष, अजगरबहार कलस्टर में सम्मिलित ११ ग्राम पंचायत, अजगरबहार, बेला, चुईया, धनगांव, दोंदरो, जामबहार, कछार, माखुरपानी, सोनगुढ़ा सोनपुरी, तिलाईडांड के समस्त सरपंच, उपसरंपच एवं पंच सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

सफल भ्ी विरोधी आंदोलन में सहभागी रहे ग्रामों ने असामाजिक गतिविधियों के खिलाफ खोला मोर्चा

रायपुर। लगभग 30 वर्षों पूर्व हुये भानसोज के ख्यातिनाम सफल शराबभ्ी विरोधी आंदोलन में सहभागी रहे ग्रामों के ग्रामीणों ने असामाजिक गतिविधियों से त्रस्त हो ग्राम टेकारी (कुंडा) में आयोजित समाधान शिविर में ज्ञापन सौंप असामाजिक गतिविधियों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है । गांव - गांव में बिक रहे अवैध शराब , गांजा व नशीली गोलियों सहित हो रहे जुआ पर स्थायी रोक व लिप्त तत्वों के खिलाफ कार्यवाही की मांग करते हुये भ्ी पहुंचने वाले हर व्यक्ति को 24 पौव्वा शराब लेने की शासकीय छूट से गांव - गांव में अघोषित भ्ी चलने व लिप्त तत्वों की जानकारी मैदानी आबकारी व पुलिस अमला को होने के बाद भी कार्यवाही के नाम पर खानापूर्ति किये जाने का आरोप लगाया है ।

ज्ञातव्य हो कि आरंग थाना क्षेत्र के ग्राम भानसोज में खोले गये शासकीय ठेका प्राप्त भ्ी के दुष्परिणामों को प्रत्यक्ष देख व भोग सन् 93 - 94 के आबकारी सत्र में पूरे साल भर तक किसान संघर्ष समिति के अगुवाई में गांधीवादी तरीके से आसपास के ग्रामों के ग्रामीणों के सहयोग से आंदोलन कर भानसोज वासियों ने शराबभ्ी बंद कराने में सफलता हासिल की थी । इस आंदोलन में मंदिर हसौद थाना क्षेत्र के ग्राम नारा , डिघारी , खम्हरिया , टेकारी , कुंडा , कठिया , अमेरी , संकरी , जावा , नगपुरा , बडगांव , तोडगांव , कुटेसर , गोढ़ी , सिवनी , पिपरहा् , संडी , कुकरा , गठित नगर पंचायत चंदखुरी में शामिल ग्राम (चंदखुरी , मुनगेसर , मुनगी) , जुगेसर , बकतरा , करही , सोनपैरी, जरौद , उमरिया सहित आरंग थाना क्षेत्र के ग्राम मालीडीह , बरछा , छातापार फरफौद , जरौद , कलई व खरोरा थाना क्षेत्र के ग्राम खौली , बुड़ेनी आदि शामिल थे । जिलाधीश व पुलिस अधीक्षक के नाम आयोजित इस शिविर में सौंपे गये ज्ञापन में इन असामाजिक गतिविधियों के कमोबेश हर गांव में संचालित होने की जानकारी देते हुये बतलाया गया है कि शासन द्वारा प्रत्येक को 24 पौव्वा शराब लेने की छूट के चलते मोटरसाइकिल में दो - तीन सवार हो हर कोई 24 पौव्वा शराब ला गांवों में बेच रहे हैं और स्टाक खत्म होने पर फिर जा ला रहे हैं जिसके चलते ग्रामों में अघोषित भ्ी का माहौल है व ग्रामों के सार्वजनिक स्थलों पर जाम छलकाते पियक्कड़ आसानी से नजर आते हैं । लिप्त तत्वों के खिलाफ ठोस एवं प्रभावी कार्यवाही न होने से लिप्त तत्वों के हौसले बुलंद होने व ग्रामीण व्यवस्था को भी चुनौती देने की जानकारी देते हुये इन असामाजिक गतिविधियों पर रोक लगाने ठोस कार्यवाही का आग्रह किया गया है । ज्ञापन की प्रति भानसोज आंदोलन की अगुवाई करने वाले किसान संघर्ष समिति के संयोजक भूपेंद्र शर्मा को भी दे एक बार फिर आंदोलन की आवश्यकता की आवश्यकता प्रतिपादित की है । ज्ञापन में नारा के सरपंच मीना जांगड़े , खम्हरिया के सरपंच गजेन्द्र निषाद , अमेरी के सरपंच सूरज शर्मा , संकरी के सरपंच लीना वर्मा , कठिया के सरपंच त्रिवेणी वर्मा , टेकारी के सरपंच हेमा राजू यादव , डिघारी के सरपंच ज्योति निषाद , पिपरहा् के सरपंच कुंजबिहारी वर्मा , जनपद सदस्य श्रीमती कृष्णा महेश साहू व राजू मनहरे , जिला पंचायत सदस्य श्रीमती कविता कश्यप के प्रतिनिधि हेमंत कश्यप व मनवा कुर्मी समाज चंदखुरी राज के अध्यक्ष चिंताराम वर्मा आदि के हस्ताक्षर है।

मानिकपुर एसईसीएल खदान में मारपीट मामले में पुलिस की बड़ी कार्यवाही, 12 आरोपी गिरफ्तार

कोरबा अम्बिकावाणी - मानिकपुर स्थित एसईसीएल खदान परिसर में मारपीट की गंभीर घटना के आरोपियों के विरुद्ध कोरबा पुलिस द्वारा त्वरित व सख्त कार्रवाई की गई है। मामले में पूर्व में ४ आरोपियों को गिरफ्तार कर नायक रिमांड पर भेजा गया था, वहीं अब सोशल मीडिया फुटेज व साक्ष्यों के आधार पर अन्य ८ फरार आरोपियों को भी गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक १७ मई को शाम लगभग ५:३० बजे केसीसी कंपनी के कार्यालय (मानिकपुर माईस) में कार्यरत चक्रधर मोहंती और दीपक डे के साथ कुछ अज्ञात लोगों द्वारा जबरन घुसकर गाली-गलौज और मारपीट की गई थी। पीड़ित एलेश पी आनंद द्वारा दी गई शिकायत में बताया गया कि आरोपियों ने लोहे की रॉड और डंडों से हमला किया, जिससे दोनों कर्मचारियों को गंभीर चोटें आईं और उन्हें इलाज के लिए एनकेएच अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस मामले में चौकी मानिकपुर, थाना कोतवाली, जिला कोरबा में अपराध क्रमांक ३५३/२०२५ के तहत बीएनएस की विभिन्न धाराओं झ २९६, ३५१(२), ११५(२), ३२४(४), ३(५), १९१(२), १९१(३), ३०८(४), ३३३, २४१, ११७(२) झ के अंतर्गत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी ने तत्काल जांच के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नितीश ठाकुर, नगर पुलिस अधीक्षक भूषण एक्का एवं यातायात व साइबर सेल प्रभारी रविंद्र कुमार मीना के मार्गदर्शन में एक संयुक्त पुलिस टीम गठित कर आरोपियों की पहचान और धरपकड़ की कार्यवाही शुरू की गई। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो और घटनास्थल से प्राप्त फुटेज के आधार पर

आरोपियों की पहचान की गई। जांच के आधार पर पुलिस ने जिन ८ फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया है, उनके नाम लव कुमार पटेल, उम्र २६ वर्ष, निवासी भिलाई खुर्द, थाना उरगा, राज कुमार पटेल, उम्र ३२ वर्ष, निवासी भिलाई खुर्द, थाना उरगा, सुशील कुमार पटेल, उम्र ३० वर्ष, निवासी भिलाई खुर्द, थाना उरगा, अजय कुमार पटेल, उम्र ३० वर्ष, निवासी भिलाई खुर्द, थाना उरगा, संजय कुमार सारथी, उम्र ३२ वर्ष, निवासी मोतीसागर पारा, जितेन्द्र कुमार पटेल, उम्र ३२ वर्ष, निवासी भिलाई खुर्द, थाना उरगा, धनीराम यादव, उम्र ५५ वर्ष, निवासी सुभाष ब्लॉक, चौकी मानिकपुर एवं सरजू कुमार जांगड़े, उम्र ३० वर्ष, मूल निवासी मालखरौदा, हाल मुकाम मुड़ापार से इन सभी आरोपियों को पूछताछ के बाद घटना में संलिप्तता पाए जाने पर विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

पूर्व में गिरफ्तार आरोपी - इससे पहले मामले में शामिल आलोक कुमार पटेल, विजय कुमार यादव, उदय कुमार पटेल एवं सुरेश पटेल को पुलिस ने गिरफ्तार कर नायक रिमांड पर भेजा था। अब कुल मिलाकर १२ आरोपियों की गिरफ्तारी इस प्रकरण में हो चुकी है. कोरबा पुलिस की इस तत्परता और सटीक कार्रवाई से यह संदेश गया है कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) राजपुर, जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)

क्रमांक / /अ०वि०अ०/2025
राजपुर, दिनांक - 20/05/2025

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०- /अ-2/2024-25
ग्राम-चन्द्रगढ़

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम चन्द्रगढ़ को सूचित किया जाता है कि आवेदक **सियाराम यादव आ० दुखी राम यादव जाति- अहीर, निवासी अम्बिकापुर, तहसील-अम्बिकापुर,** जिला सरगुजा (छ०ग०) द्वारा अपने नाम की भूमि जो ग्राम **चन्द्रगढ़, प०ह०नं०-16, रा०नि०मं० परसागुड़ी** स्थित भूमि स्वामित्व हक की **भूमि खसरा नं० 1/116 कुल रकबा 0.9310 हे० भूमि में से रकबा 0.200 हे० भूमि को** कृषि प्रयोजन से भिन्न **औद्योगिक प्रयोजन** में व्यपवर्तन कराने बावत आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति, या संस्था को उजर आपत्ति या दावा हो वह स्वयं या किसी मान्य अधिवक्ता अथवा वैध अभिकर्ता के माध्यम में अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में दिनांक 06/06/2025 न्यायालयीन समय में पेश कर सकता है। नियत तिथि पश्चात प्राप्त दावा या आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 20/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालयीन मुद्रा द्वारा जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा०)
राजपुर
जिला-बलरामपुर-रा.गंज (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) राजपुर, जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)

क्रमांक / /अ०वि०अ०/2025
राजपुर, दिनांक- 20/05/2025

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०- /अ-2/2024-25
ग्राम-चन्द्रगढ़

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम चन्द्रगढ़ को सूचित किया जाता है कि आवेदक **सियाराम यादव आ० दुखी राम यादव जाति- अहीर, निवासी अम्बिकापुर, तहसील-अम्बिकापुर,** जिला सरगुजा (छ०ग०) द्वारा अपने नाम की भूमि जो ग्राम **चन्द्रगढ़, प०ह०नं०-16, रा०नि०मं० परसागुड़ी** स्थित भूमि स्वामित्व हक की **भूमि खसरा नं० 1/116 रकबा 0.3440 हे० भूमि को** कृषि प्रयोजन से भिन्न **व्यवसायिक प्रयोजन** में व्यपवर्तन कराने बावत आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति, या संस्था को उजर आपत्ति या दावा हो वह स्वयं या किसी मान्य अधिवक्ता अथवा वैध अभिकर्ता के माध्यम में अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में दिनांक 06/06/2025 न्यायालयीन समय में पेश कर सकता है। नियत तिथि पश्चात प्राप्त दावा या आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 20/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालयीन मुद्रा द्वारा जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा०)
राजपुर
जिला-बलरामपुर-रा.गंज (छ.ग.)

आधार कार्ड में नाम सुधार की सूचना

मेरा नाम सरिता (SARITA) पिता रायसिंह मरावी है। जिसको अब बदलकर वर्षा (VARSHA) कर ली हूं।

अतः अब से मुझे वर्षा (VARSHA) के नाम से जाना एवं पहचाना जाये।

वर्षा
पिता रायसिंह मरावी
ग्राम-नरोला, तहसील प्रतापपुर,जिला-सूरजपुर (छ.ग.)
मो.- 8963928137

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) प्रतापपुर, जिला-सूरजपुर (छ०ग०)

//ईश्तहार//

सर्वसाधारण को ग्राम डांड़करवां में एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक मुकेश पिता चेतराम जाति पांडो निवासी ग्राम डांड़करवां द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि आवेदक ग्राम डांडकरवां, प.ह.नं. 06, रा.नि.मं. डांडकरवां स्थित अपनी स्वत्व एवं आधिपत्य की भूमि खसरा नंबर 1598/6, रकबा 0.03 हे. भूमि को अपनी बहन के विवाह हेतु श्री बलिन्दर सिंह पिता जानकी सिंह, जाति गोंड, निवासी ग्राम सिलौटा, तहसील प्रतापपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.) को विक्रय करना चाहता है, जिसके लिए अनुमति चाही गई है।

अतः इसमें किसी को कोई आपत्ति दावा हो तो, वह अपनी लिखित आपत्ति दिनांक 23/05/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है, अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति/दावा मान्य नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 08/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
प्रतापपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

संपादकीय

आखिर भारत दुनिया में क्यों इतना अकेला पड़ गया

इसलिए उन दोनों देशों के प्रति भारत में स्वाभाविक गुस्सा भड़का है। इसे जताने के लिए दोनों देशों के बहिष्कार का अभियान जोर पकड़ गया है। भारतीय सैलानी वहां के लिए अपनी बुकिंग रद्द करवा रहे हैं।

भारत सरकार ने भी तुर्किये के सोशल मीडिया हैंडल्स को देश में प्रतिबंधित करवा दिया है। लेकिन इस मुहिम के दौरान एक अजीब किस्म का विरोधाभास नजर आता है। पाकिस्तान का सबसे बड़ा मददगार कोई साबित हुआ है, तो वह चीन है। हालिया टकराव के समय भी उसने अपनी फौलादी दोस्ती निभाई और पाकिस्तान की संप्रभुता एवं सुरक्षा के लिए अपना समर्थन जताया। अंतरराष्ट्रीय मीडिया की रिपोर्टों पर ध्यान दें, तो संकेत मिलता है कि चीनी हथियार पाकिस्तान के लिए बेहद सहायक साबित हुए। और इस समय जबकि पाकिस्तान से तनाव कायम है, चीन ने भारत से लगी पूर्वी सीमा को गरमाने की कोशिश की है। अरुणाचल प्रदेश पर उसने फिर अपना दावा जता दिया है। मगर चीन के बहिष्कार की बात कहीं गायब है। जबकि चीन का बहिष्कार अधिक आसान है। आखिर भारतीय बाजार चीन में बनी वस्तुओं से भरे पड़े हैं, जिनसे तुरंत तौबा की जा सकती है। बात इतनी ही नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर के समय इस्लामी देशों के संगठन ओआईसी ने भी पाकिस्तान का पुरजोर समर्थन किया। इसके सदस्य 57 देशों में यूएई और सऊदी अरब भी हैं, जिन्हें भारत का दोस्त बताया जाता है। उन सबके प्रति भी चुप्पी है। वैसे गुस्सा तो आजमाये हुए दोस्त रूस के प्रति भी होना चाहिए, जिसने इस मौके पर भारत का साथ नहीं दिया। उधर अमेरिका का ट्रंप प्रशासन अपने बयानों से लगातार भारत के लिए असहज स्थिति पैदा कर रहा है। तो अपेक्षित यह है कि इन सबके प्रति भी भारतवासी आक्रोश की भावना रखें। या फिर एक दूसरा तरीका यह है कि इन तमाम देशों ने भारत से लगाव क्यों नहीं जाहिर किया, इस सवाल पर गंभीरता से विचार किया जाए। इस प्रश्न पर आत्म-मंथन की जरूरत है कि आखिर भारत दुनिया में क्यों इतना अकेला हो गया है!

> *एक दूसरा तरीका यह है कि तमाम देशों ने भारत से लगाव क्यों नहीं जाहिर किया, इस सवाल पर गंभीरता से विचार किया जाए। इस प्रश्न पर आत्म-मंथन की जरूरत है कि आखिर भारत दुनिया में क्यों इतना अकेला पड़ गया है! ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तुर्किये और अजरबैजान ने पाकिस्तान का साथ दिया,*

ऑपरेशन सिंदूर: राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्रीय सम्मान का संगम

सुश्री लक्ष्मी पुरी

> ***ऑपरेशन सिंदूर ने स्पष्ट किया है कि भारत वैधता नहीं चाहता है। देश न्याय चाहता है। भारतीय संयम को कभी भी कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए। पहलगाम में पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकवादी कृत्य के प्रति भारत की जवाबी प्रतिक्रिया – ऑपरेशन सिंदूर, जो अभी भी जारी है झ्र आतंकवाद-रोधी और सैन्य सिद्धांत तथा रुख में एक बड़े बदलाव का संकेत देता है। अपने जोशीले भाषण में, जिसकी गूंज पूरे भारत और दुनिया के विभिन्न देशों की राजधानियों में सुनायी दी, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घोषणा करते हुए कहा कि सीमा-पार आतंकवाद के किसी भी कृत्य के खिलाफ निर्णायक सैन्य कार्रवाई की एक नई सामान्य स्थिति स्थापित की गई है।***

कोई भी देश, जो आतंकवादी अवसंरचना को पनाह देता है, उसे वित्तीय मदद देता है और उसका पोषण करता है, उसे अपने सैन्य बलों के साथ जोड़ता है और निर्दोष नागरिकों के खिलाफ क्रूर हमलों के लिए भारत को निशाना बनाता है, उसे त्वरित, दंडात्मक और प्रतिशोधी परिणामों का सामना करना पड़ेगा। सोची-समझी सैन्य कार्रवाई से न केवल पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में बल्कि अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के बीच में भी आतंकवादी नेटवर्क ध्वस्त हो जाएंगे, भले ही राज्य प्रायोजित आतंकवादी ठिकाने आधिकारिक सुरक्षा संरचनाओं के साथ कितने भी जुड़े हुए हों।

सिंदूर सिद्धांत, भारत की संप्रभुता और सभ्यतागत लोकाचार को बनाए रखने में निहित है। इसका उद्देश्य इसकी क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करना, आंतरिक एकता, सद्भाव और शांति सुनिश्चित करना और 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए देश को त्वरित आर्थिक विकास के पथ पर आगे बढ़ाना है। यह सीमा-पार आतंकवाद के प्रति शून्य-सहिष्णुता के रुख की पुष्टि करता है और भारत को अपने सुरक्षा हितों की रक्षा में निर्णायक रूप से कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध करता है, जिसे पुनर्परिभाषित और विस्तृत किया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट रूप से कहा है: भारत के खिलाफ किसी भी तरह की आतंकी कार्रवाई युद्ध मानी जायेगी - अब कोई संदेह की स्थिति नहीं है, किसी दूसरे तरीके से युद्ध को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, आतंकवाद से होने वाले नुकसान के आगे हार नहीं मानी जाएगी। ऑपरेशन के बाद राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समक्ष प्रधानमंत्री का संबोधन सफलता की पुष्टि से कहीं अधिक था। बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर दिए गए इस संबोधन ने एक नई रणनीतिक व्यवस्था का अनावरण किया-दृढ़, गरिमापूर्ण और भारत के सभ्यतागत मूल्यों पर आधारित।

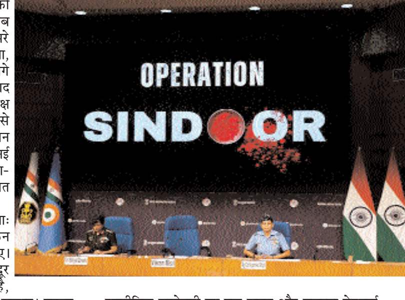

इसने एक सरल लेकिन दृढ़ संदेश दिया: भारत शांति में विश्वास करता है, लेकिन शांति को शक्ति का समर्थन होना चाहिए। अपने मूल में, प्रधानमंत्री मोदी का सिंदूर सिद्धांत तीन अलग सिद्धांतों पर जोर देता है, जिन पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। पहला, भारत उन देशों के साथ कोई बातचीत नहीं करेगा, जो आतंक को बढ़ावा देते हैं; जब बातचीत फिर से शुरू होगी, तो यह द्विपक्षीय होगी तथा इसमें केवल आतंकवाद और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर पर चर्चा होगी। दूसरा, भारत आतंकवाद का समर्थन करने वाले देशों के साथ आर्थिक संबंधों को स्पष्ट रूप से अस्वीकार करता है तथा व्यापार और राष्ट्रीय सम्मान के बीच एक सुदृढ़ रेखा खींचता है। अंत में, भारत अब परमाणु धमकी को बर्दाश्त नहीं करेगा- ऑपरेशन सिंदूर ने निर्णायक रूप से उन सभी भ्रमों को तोड़ दिया है कि परमाणु खतरे, आतंकी कृत्यों के ढाल बन सकते हैं। सिंदूर नाम का चयन गहन सांस्कृतिक प्रतीकात्मकता को रेखांकित करता है। विवाहित हिंदू महिलाओं द्वारा पहना जाने वाला लाल सिंदूर - पीड़ित होने के रूपक के रूप में नहीं, बल्कि पवित्र कर्तव्य और राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक के रूप में इस्तेमाल किया गया। आतंकवादियों ने इस सम्मान को अपवित्र करने की कोशिश की; भारत ने पूरी ताकत के साथ जवाब दिया। व्यक्तिगत राजनीतिक हो गया, सांस्कृतिक रणनीतिक हो गया। चूंकि आतंकी हमला कश्मीर में हुआ था, जो भारत माता का भौगोलिक और प्रतीकात्मक सिर है, इसलिए ऑपरेशन सिंदूर भारत माता की रक्षा करने और उसे सलाम करने के लिए है। भारत की प्रतिक्रिया एक सैद्धांतिक विरासत का अनुसरण करती है। कौटिल्य के अर्थशास्त्र से लेकर 1980 के दशक के इंदिरा सिद्धांत तक तथा 1998 में पोखरण-द्वद्व परीक्षणों के जरिए वाजपेयीजी के साहसिक परमाणु दावे से लेकर –जिसने वैश्विक दबावों और प्रतिबंधों के बावजूद भारत के आत्मरक्षा के संप्रभु अधिकार की पुष्टि की और विश्वसनीय न्यूनतम अवरोध की नीति स्थापित की–से लेकर उरी और बालाकोट में प्रदर्शित मोदी सिद्धांत तक, भारतीय शासन नीति ने लंबे समय से संकट के समय और राष्ट्रीय सुरक्षा के महत्वपूर्ण मामलों में संप्रभु निर्णय लेने की आवश्यकता पर जोर दिया है।

सिंदूर सिद्धांत इसे आगे बढ़ाता है, आत्मविश्वास से भरे भारत ने इसका समर्थन किया है। देश अपने मूल हितों तथा अपने नागरिकों की संरक्षा और सुरक्षा के लिए स्वतंत्र व मजबूती से काम करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। भू-राजनीतिक रूप से, इस ऑपरेशन ने क्षेत्रीय उम्मीदों को फिर से स्थापित किया है। आतंकवाद के लिए ढाल के रूप में परमाणु शक्ति का इस्तेमाल करने के आदी पाकिस्तान का सीधे सामना किया गया है। दंड से मुक्ति का भ्रम टूट गया है।

चीन, हालांकि औपचारिक रूप से तटस्थ है, उसे अपने सहयोगी की कमजोरी को समझना होगा। संयुक्त राज्य अमेरिका से लेकर रूस तक, वैश्विक शक्तियाँ भारत को बाहरी संकेत या समर्थन की प्रतीक्षा किए बिना कार्रवाई करते हुए देख रही हैं। अन्य पड़ोसियों को अब अपनी दुर्भावना और भारत विरोधी कार्रवाइयों के परिणामों का आकलन करना चाहिए। पिछले 11 वर्षों में, भारत ने कई भौगोलिक क्षेत्रों में और प्रमुख शक्तियों के साथ द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी का एक सघन और मजबूत नेटवर्क सफलतापूर्वक निर्मित किया है। इसने बहुपक्षीय और लघुपक्षीय, क्षेत्रीय और अंतर-क्षेत्रीय सहयोग व्यवस्थाओं में भाग लिया है और मुक्त व्यापार समझौतों पर बातचीत कर रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, प्रमुख शक्तियों और इन साझेदारियों से जुड़े भारत के कई रणनीतिक और रक्षा संबंध अग्नि परीक्षा से गुजरे।

पहलगाम के बाद, संतोषजनक बात यह थी कि हमारे भागीदारों द्वारा आतंकवादी हमलों की सार्वभौमिक निंदा की गयी। हालाँकि, ऑपरेशन सिंदूर के जवाब में पाकिस्तान की तीव्र कार्रवाई के बाद, परमाणु-संपन्न पड़ोसियों के बीच तनाव बढ? के बारे में चिंताएँ व्यक्त की गईं। प्रतिक्रियाएँ इस बात से भी प्रभावित थीं कि इस सैन्य संघर्ष में उनके हथियार प्रणालियों ने कैसा प्रदर्शन किया या कि क्या प्रदर्शन करने में विफल रहे। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, हमें न केवल अपने रणनीतिक साझेदारों को सावधानी से चुनना चाहिए, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि ये साझेदारियाँ सिंदूर सिद्धांत को शामिल करती हों।

इसका मतलब यह है कि उन्हें पाकिस्तान पर अपने प्रभाव का इस्तेमाल करके उसके आतंकी ठिकानों को खत्म करना चाहिए और राज्य-नीति के रूप में आतंकवाद का परित्याग करना चाहिए। यदि हमें पाकिस्तानी आतंकवादी-सैन्य ढांचे के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए सैन्य बल का इस्तेमाल करना पड़ता है, तो उन्हें हमारे साथ एकजुटता दिखानी चाहिए। दुष्टों के लिए कोई शरणस्थली नहीं, कोई बचाव नहीं। महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत जिस आतंकी ढांचे को निशाना बना रहा है, वह न सिर्फ भारत और लोकतंत्र के लिए, बल्कि वैश्विक आर्थिक वृद्धि और विकास के इंजन के रूप में देश की भूमिका के लिए भी खतरा है।

पाकिस्तान से आतंकवाद को वैश्विक स्तर पर निर्यात किया जाता है - यूरोप, यूके, संयुक्त राज्य अमेरिका और उससे आगे। फिर भी, अंतरराष्ट्रीय समुदाय का अधिकांश हिस्सा आंखें मूंद कर बैठा है, जबकि संयुक्त राष्ट्र द्वारा नामित आतंकवादी समूह पाकिस्तान में खुलेआम काम करते हैं। पाकिस्तान पहले भी आतंकवादी समूहों की शरणस्थली था और अब भी है। ऑपरेशन सिंदूर 1.0 के दौरान, पाकिस्तान के रक्षा और विदेश मंत्रियों ने सार्वजनिक रूप से इतना स्वीकार किया। भारत ने आतंक के इस असंख्य सिर वाले राक्षस के खिलाफ कार्रवाई करके वैश्विक सेवा की है।

यह अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अग्रिम पंक्ति के योद्धा के रूप में खड़ा है। दुनिया को कार्रवाई करने के लिए जागरूक होना चाहिए और आतंक के अपराधियों और इसके खिलाफ काम करने वालों के बीच नैतिक समानता स्थापित करना बंद करना चाहिए - चाहे उनके संकीर्ण, अल्पकालिक, दिखावटी विचार कुछ भी हों। सिंदूर सिद्धांत का आर्थिक आयाम भी महत्वपूर्ण है। आतंकवाद के साथ कोई व्यापार नहीं की स्पष्ट घोषणा करके, भारत ने राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आर्थिक उपायों को क्रियान्वित किया है।

व्यापार और सिंधु जल संधि जैसी संधियों को निलंबित करने जैसे कदम आर्थिक संबंधों को राष्ट्रीय सुरक्षा उद्देश्यों के साथ मजबूती से संरेखित करने के भारत के संकल्प को रेखांकित करते हैं। ये उपाय एक स्पष्ट संदेश देते हैं: आतंक के खात्मे के बाद आर्थिक संबंध बनने चाहिए, न कि पहले।

अस्तित्व आधारित संदेश यह है कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते। नारी-शक्ति से जुड़ा एक शक्तिशाली आख्यान ऑपरेशन के संदेश को पुष्ट करता है और इसे सुर्खियों में लाता है: भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा व्यवस्था में महिलाओं की भूमिका। ऑपरेशन के बाद दो महिला अधिकारियों ने प्रमुखता से सैन्य प्रेस वक्तव्यों का नेतृत्व किया, जो भारत के रक्षा परिदृश्य में महिलाओं के बढ़ते महत्व का प्रतीक है। नारी शक्ति (महिला सशक्तिकरण) के इस क्षण ने महिलाओं के प्रति भारत के सभ्यतागत सम्मान को मजबूत किया, रानी लक्ष्मीबाई से लेकर समकालीन महिला सैन्य अधिकारियों तक के ऐतिहासिक उदाहरणों की प्रतिध्वनि की, जिससे राष्ट्रीय गौरव को लैंगिक समावेश के साथ जोड़ा गया।

भारत की सैन्य ताकत घरेलू नवाचार की मदद से तेजी से बढ़ रही है। हालांकि, कुछ विदेशी प्रणालियों का इस्तेमाल किया गया था, स्वदेशी मिसाइलों, ड्रोन और निगरानी उपकरणों की सफल तैनाती, रक्षा में आत्मनिर्भरता की परिचालन परिपक्वता को उजागर करती है। यह हमारे निर्यात जोर और मांग को बढ़ाता है। हमने भारत में आयातित और सह-निर्मित हथियार प्रणालियों के साथ-साथ पाकिस्तान द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली हथियार प्रणालियों का भी परीक्षण किया और इनसे हमारे द्वारा लिए गए सही निर्णयों की पुष्टि हुई। ऑपरेशन सिंदूर से यह स्पष्ट हो गया कि भारत वैधता नहीं चाहता - वह न्याय चाहता है।

भारतीय संयम को कभी भी कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए। सिंदूर सिद्धांत केवल प्रतिक्रियात्मक नहीं है; यह सैद्धांतिक स्पष्टता का एक सक्रिय दावा है। भारत के नागरिकों के, विशेषकर महिलाओं के जीवन, गरिमा, भलाई और सम्मान के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। इसी बिंदु पर राष्ट्रीय सुरक्षा का राष्ट्रीय सम्मान के साथ संगम होता है। यहीं पर प्राचीन मूल्य, आधुनिक ताकत के साथ मिलते हैं। और यहीं पर भारत खड़ा है- निडर, अडिग और एकजुट।

जय हिंद।

लेखिका संयुक्त राष्ट्र की पूर्व सहायक महासचिव और संयुक्त राष्ट्र महिला की उप कार्यकारी निदेशक तथा भारत की पूर्व राजदूत हैं

अम्बिकावाणी-वर्गपहेली 1335

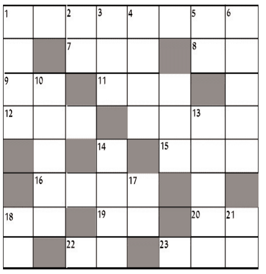

संकेत: बाएं से दाएं

1. भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित प्रथम हिंदी साहित्यकार (8)
7. ताकत सहित, बलवान, ताकतवर (3)
8. आपस में गुथी एवं फैली हुई चीजों का विस्तार (2)
9. निग्रह, दो की संख्या, मृत्युदेव (2)
11. रिपोर्ट का अपभ्रंश, फिसलाहट (3)
12. सिख संप्रदाय के आदि गुरू (3)
13. एक दिवंगत हास्य अभिनेता जिन्होंने (1937 से 1989 के बीच 180 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया) (2)
15. युद्ध, लड़ाई, रण, संग्राम (3)
16. विशाल भूभाग में फैलाना (4)
18. इंद्रधनुष में रंगों की संख्या (2)
19. नतीजा, परिणाम, सुख-दुख का भोग (2)
20. जलीय अंश, शोरबा (2)
22. आहुति के रूप में दिया हुआ (2)
23. कार्यालय, ऑफिस (3)

ऊपर से नीचे

1. सुलोचना, सुंदर नेत्रों वाली (4)
2. अनिष्ट का डर या खौफ, कष्ट (2)
3. संख्या सूचक अंक, अदद, संख्या (3)
4. गिरोह का मुखिया (4)
5. पांच उंगलियों सहित हथेली का अगला भाग (2)
6. ख्वाहिशमंद, इच्छा रखने वाला (5)
10. मन के अनुसार, मन के अनुकूल (5)
13. आने-जाने का भाव या क्रिया (5)
14. शिष्टता, नम्रता, यह धर्मेंद्र के साथ हेमामालिनी की पहली फिल्म थी (4)
17. कमल, लोहे का अर्द्धचंद्राकार टुकड़ा, कुमुद आदि फूलों की लंबी व खोखली नली या डंडी (2)
18. परस्पर साथ रहने वाला व्यक्ति, मित्र, सखा (2)
21. महाशय या श्रीमान का अंग्रेजी में यह कहते है (2)
20. भिन्न का नीचे का अंक, प्रत्येक (2)
22. बुनियाद, नींव, जड़ (2)

वर्ग पहेली 1334 का हल

म	ई			गं	ध		आ
ह		म		ड	र		ज
ज	न	क		क	ना	ग	त
	दा	स	ती			वा	क
ना	र	द		स	म	क्ष	
जु			अ	त	ल		कु
क	ह	र	वा		मा	मू	ली
ता	र		म		स	ल	

एकदा

सेल्फी विद ऑक्सीजन टैंकर

भाई साहब विकास पुरुष, जन-जन के लाडले, युवा हृदय सम्राट हैं। भाई साहब के फेसबुक पेज पर उनकी तस्वीरें देख आत्मा प्रसन्नता से झूम उठती है। जब से कोरोना आया है, भाई साहब चैन से बैठे तक नहीं हैं। लोकतंत्र वारियर के रूप में रिसॉर्ट प्रवास पर जाने वाले भाई साहब इन दिनों कोरोना वारियर की छवि बनाने में भिड़े हैं। वे लगातार क्षेत्र में सघन दौरों में लगे हैं। जहां भी जाते हैं, फेसबुक लाइव करके दुनिया को बताते हैं। अरे दीवानों, मुझे पहचानो, कहां से आया हूं मैं कौन, की धुन मन में गुनगुनाते हुए वे समस्याओं की ओर देखते हैं। गांव है, गांव में बीमारी है, मगर स्वास्थ्य केंद्र नहीं है। स्वास्थ्य केंद्र नहीं है तो क्या, भाई साहब तो हैं। जनता की पीड़ा पर वे सिस्टम को तत्काल आदेश देते हैं। उनके एक आदेश से स्कूल अस्पताल में बदल जाता है। अजी ! अब तक अस्पताल कहां था जनता यह सवाल करना भूल जाती है। भाई साहब जादूगर हैं। अपनी अदाओं से बुद्धि, विवेक, तर्क शून्य कर देते हैं। यदि जनता पूछ भी ले तो वे सीना ताने कहेंगे-अब तक कोरोना भी कहां था?

भाई साहब भाषण देते हैं, भाषण लाइव होता है, जनता जय हो कमेंट करती है। भाई साहब शहर में होते हैं, शहर कोरोना की गिरफ्त में होता है। ऑक्सीजन की किल्लत से अफरातफरी मची होती है। अस्पतालों में मरीज तो क्या, उनके परिजनों की भी सांसें फूल रही होती हैं। भाई साहब शांत रहते हैं।

0 सौरभ जैन

राशिफल

ग्रह स्थिति- सूर्य-वृषभ, चंद्र-मीन, मंगल-वृषभ, बुध-मेष, गुरु-कन्या, शुक्र-मीन

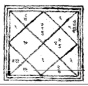

चौघड़िया

09:03 से 10:43 तक-चंचल
10:43 से 12:23 तक- लाभ
12:23 से 14.04 तक- अमृत
20:24 से 21.44 तक- लाभ

मेष राशि : आज आपका दिन बढि?ा रहेगा। परिवार संग किसी धार्मिक स्थान पर दर्शन के लिए जायेंगे, पारिवारिक सौहार्द बढ़ेगा। आज शांत मन से किसी काम को करेंगें तो जल्द ही पूरा हो जाएगा। पारिवारिक निर्णय लेने से पहले घर के बड़े बुजुर्ग की राय जरूर लें।

वृष राशि : आज आपका दिन ठीक रहेगा। किसी जरूरी काम को प्री-प्लानिंग करके करेंगें तो काम आसानी से पूरा हो जाएगा। नवविवाहित आज जीवनसाथी के साथ किसी मूवी को देखने का प्लान बनायेंगे रिश्तों में मजबूती आएगी। मंनोरंजन पर आज अधिक पैसे खर्च होने वाले हैं।

मिथुन राशि : आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। कम्पटेटिव एग्जाम की तैयारी करने वालों को सफलता पाने के लिए अधिक मेहनत करने की जरुरत है। काम अधिक होने से आज आपको भाग झ्र दौड़ करनी पड़ेगी। बिल्डर्स के लिए आज का दिन फायदा देने वाला है।

कर्क राशि : आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। कम्पटेटिव एग्जाम की तैयारी करने वालों को सफलता पाने के लिए अधिक मेहनत करने की जरुरत है। काम अधिक होने से आज आपको भाग झ्र दौड़ करनी पड़ेगी।

सिंह राशि : आज आपका दिन लकी रहेगा। ऑफिस में नया काम सामने आ सकता है। उस नए काम को बहुत अच्छी तरह करने का प्रयास करेंगे। आज आपको धन लाभ होने के योग बन रहे हैं। किसी खास मित्र से आज आपकी मुलाकात होगी, जिनसे मिलकर आप खुश होंगे।

कन्या राशि : आज का दिन आपका खुशियों से भरा रहेगा। अपने परिवार के साथ शाम का समय बिताये उनको अच्छा लगेगा। सोचे हुए काम आज खुद के दम पर पूरे होंगे।

तुला राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बढि?ा है। कॉलेज में आज आपकी गुड एक्टीविटी की वजह से टीचर्स आपसे खुश रहेंगे। स्वास्थ्य आज पहले से काफी अच्छा रहेगा। किसी बुजुर्ग की राय आपके रिश्ते में चल रही अनबन को दूर कर देगी।

वृश्चिक राशि : आज आपका दिन फायदा दिलाने वाला रहेगा। समय आपके फेवर में होने के कारण मन खुश रहेगा। नौकरी या बिजनेस में फायदे के एक से अधिक मौके मिलेंगे। कामकाज की गति तेज होगी। स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है, साथ ही परीक्षा में सफलता आपके कदम चूमेगी। आज किसी दूसरे स्टेट में बिजनेस करने के लिए आपकी यात्रा के योग बन रहे है।

धनु राशि: आज आपका दिन आत्मविश्वास से भरा रहेगा। बिजनेस के सिलसिले में आज आप मीटिंग अटेंड करेंगे। छोटे भाई बहनों की ओर से आपको सरप्राइज मिल सकता है... आपके रिश्ते में मधुरता आयेगी।

मकर राशि : आज आपका दिन खुशनुमा रहेगा। कार्यक्षेत्र में जो भी रुकावटें आएंगी, उनसे आप कुछ सीख सकते हैं, ऐसे ही आपको आगे बढने. के नए मौके मिलेंगे। बिजनेस में अच्छे से काम को करने पर आपको फायदा होगा।

कुंभ राशि : आज आपका दिन बढि?ा गुजरेगा। किसी काम को पूरा करने के लिए शार्टकट तरीके अपनाने से बचें। इस राशि के बिजनेसमैन के बिजनेस में बढ़ोतरी होगी। माताएं बच्चो को मोरल स्टोरी सुनाएंगी। क्रिएटिव कामों में मन लगायेंगे और कुछ क्रिएटिव वर्क करने का प्रयास करेंगे।

मीन राशि : आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। ऑफिस में आज का दिन ठीक रहेगा,.. साथ ही कलीग आपके काम में हेल्प करेंगे। आज किसी के बहकावे में न आये और अपने काम के प्रति सतर्क रहें।

प्रदूषण की विकट होती समस्या

प्रदूषण की विकट होती समस्या के समाधान के लिए विश्व स्तर पर रिसर्च, प्रयोग, अध्ययन और उनसे निकले निष्कषरे पर दुनिया के तमाम देशों में कार्य हुए हैं, लेकिन समाधान की दिशा में प्रयास अभी भी नाकाफी हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि सदी के अंत तक पर्यावरण प्रदूषण और धरती के बढ़ते तापमान से ताल्लुक रखने वाली तमाम समस्याओं को पूरी तरह खत्म करना मुमकिन नहीं है। धरती के तापमान को 2 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा होने से रोकने के मद्देनजर कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को सीमित करने की सहमति पर पहली बार 2016 के जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में सम्मेलन में बनी थी। वैज्ञानिक कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा हटाने के लिए धरती की सतह पर चट्टानों के रासायनिक विघटन के जरिए हवा से कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा को स्वाभाविक रूप से हटाना जरूरी कहते हैं। 2016 में लेवरहुल्मे सेंटर फॉर क्लाइमेंट चेंज मिटिगेशन के निदेशक डेबिड बियरलिंग दे एक खेती तकनीक विकसित करने के बारे में बात की थी। इससे फसलों को फायदा पहुंचने की बात भी की गई। हवा से कार्बन डाइऑक्साइड सोख कर उसका बेहतर इस्तेमाल करने की यह नई पहल पहली बार बड़े स्तर पर की गई थी। अमेरिका में हर साल 7 मिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड की खपत होती है।

टीवी और मोबाइल ज्यादा देखने वालों को हो सकती है यह गंभीर बीमारी

डिमेंशिया एक मस्तिष्क से जुड़ी बीमारी है जिसमें याददाश्त प्रभावित होती है। सीखने, याद रखनेऔर तर्क करने की क्षमता खत्म हो जाती है। अक्सर यह बढ़ती उम्र में लोगों को प्रभावित होती है,लेकिन इन दोनो डिजिटल डिमेंशिया तेजी से बढ़ रही है। हर कोई यह जानना चाह रहा है कि आखिर यह कौन सी बीमारी आ गई है? आज हम आपको इस बीमारी के बारे में विस्तार से जानकारी देंगे। इसको लेकर हमने एक्सपर्ट से बात की।

क्या है डिजिटल डिमेंशिया

डिमेंशिया के आगे डिजिटल लगने का साफ मतलब है कि इस बीमारी के होने के पीछे का कारण स्मार्टफोन, कंप्यूटर, टीवी यानी जितने भी तकनीकी उपकरण हैं वह शामिल हैं। जब आप इन तकनीकी उपकरणों का इस्तेमाल जरूर से ज्यादा करते हैं तो इससे आपको यह बीमारी होती है। इन उपकरणों का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल करने से रात में नींद की कमी, एंग्जाइटी, बेचैनी डिप्रेशन और कई तरह की भावनात्मक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। और धीरे-धीरे आप इस बीमारी की चपेट में आ सकते हैं।

डिजिटल डिमेंशिया के लक्षण?

- किसी भी चीज को याद रखने में कठिनाइ होना जैसे किसी का नाम या फोन नंबर। या बीते दिन किसी तरह की घटना हुई हो उसे भी याद रखने मे परेशानी होना।
- एक समय को कई कार्यो को संभालने में परेशानी होना।
- कम पर फोकस करने में कठिनाई महसूस होना।
- निर्णय नही ले पाना
- सीखने की क्षमता प्रभावित होना

डिजिटल डिमेंशिया से कैसे करें बचाव

- डिजिटल उपकरणों का संतुलित उपयोग करें।
- मेडिटेशन और योग करें।
- पजल्स,क्रॉसवर्ड्स और दिमाग लगाने वाले खेलों का अभ्यास करें।
- दोस्तों के साथ वक्त बिताएं।
- दिन भर मे कम से कम मोबाइल या लैपटॉप का इस्तेमाल करें।

ज्यादा सेब खाना भी सेहत को कर सकता है खराब, हो सकती हैं ये परेशानियां

सेब खाने के फायदे तो अब तक आपने बहुत सुना होगा, लेकिन इसके नुकसान भी हो सकते हैं। जी हां,ज्यादा सेब खाना आपकी सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। आइए, यहां एक्सपर्ट से जानते हैं कि ज्यादा सेब खाना आपके लिए कैसे परेशानी खड़ी कर सकता है।

सेब खाने के अनेकों फायदे है। इससे कई बीमारियां दूर होती हैं। एक पॉपुलर कहावत भी है कि हर दिन सेब खाने से डॉक्टर से दूरी बनी रहती है। लेकिन, क्या आप जानती हैं कि विटामिन और पोषक तत्वों से भरे सेब को एक लिमिट से ज्यादा खाने के नुकसान भी हो सकते हैं। सेब खाने की एक लिमिट होती है और अगर वह क्रॉस हो जाए तो कई परेशानियों को न्योता मिल सकता है। सेब भले ही पोटैशियम, फाइबर, आयरन और मैग्नीनिशियम से भरपूर होता है, पर इसकी अति हेल्थ के लिए बिल्कुल भी अच्छी नहीं होती है। अति किसी भी चीज की अच्छी नही मानी जाती है, फिर चाहे वह हेल्दी खाने को लेकर ही क्यों ना रहे। सेब में नेचुरल शुगर और फरुक्टोज पाए जाते हैं। इसे सुबह-सुबह खाली पेट खाना फायदेमंद माना जाता है। लेकिन, अगर आप एक दिन में 2 से ज्यादा सेब खा रही हैं, तो थोड़ा-सा सचेत हो जाने की जरूरत है। ज्यादा सेब खाने का सेहत पर क्या असर पड़ता है, इसे लेकर हमने एक्सपर्ट से बात की है। एक्सपर्ट के मुताबिक, एक दिन मे 1-2 सेब खाना ठीक है । लेकिन, इससे ज्यादा सेब खाना डाइजेशन की समस्या के साथ-साथ कई अन्य समस्याओं को न्योता दे सकता है। आइए, यहां जानते हैं ज्यादा सेब खाने से क्या-क्या परेशानिया हो सकती हैं।

ज्यादा सेब खाने से ब्लोटिंग, गैस और पेट खराब होने की समस्याएं हो सकती हैं। सेब में फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है। इसका ज्यादा सेवन पेट में ऐंठन और दर्द की समस्या भी खड़ी कर सकता है।

सेब मे नेचुरल शुगर की मात्रा काफी ज्यादा होती है। एक्सपर्ट के मुताबिक, बहुत ज्यादा सेब खाने से ब्लड शुगर लेवल में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है, जिससे मेटॉबोलिक हेल्थ और डायबिटीज जैसी कई समस्याएं हो सकती हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक, डायबिटीज के मरीजों को बहुत सोच-समझकर और लिमिट में सेब खाना चाहिए, क्योंकि इससे इंसुलिन सेंसिटिविटी और शुगर लेवल पर असर पड़ सकता है।

सेब खाने के दूसरे कई नुकसान हो सकते हैं, जिससे फैट बढ़ने और डेंटल हेल्थ पर असर भी शामिल है। दरअसल, सेब में कार्बोहाइड्रेट्स भी होते हैं और इनकी ओवरइटिंग करने बाद जल्दी डाइजेशन नहीं हो पाता है। इससे बॉडी फैट पर असर पड़ता है। ज्यादा सेब खाना दांतों के लिए भी खराब माना जाता है।

किस टाइम नहीं खाना चाहिए सेब?

शाम के समय या सोने से पहले सेब के सेवन से बचने की सलाह दी जाती है। ऐसा इसलिए, क्योंकि इससे एसिडिटी, गैस या पेट दर्द की शिकायत हो सकती है। अगर आप इन समस्याओं से परेशान नहीं होना चाहते हैं, तो और रात के समय सेब खाने से बचना चाहिए।

सेब खाना कितना फायदेमंद होता है?

- सेब खाने की अति ना की जाए तो यह एक बहुत फायदेमंद फल है। सेब को अगर सुबह के समय खाली पेट खाया जाए तो यह सेहत के लिए लाभकारी हो सकता है। सुबह-सुबह सेब खाने से पूरे दिन शरीर में एनर्जी बनी रहती है और इससे लंबे समय तक भूख नहीं लगती है। जिससे आप ओवर इटिंग की समस्या से भी बच सकते हैं।
- सुबह के समय सेब खाने से पेट से जुड़ी परेशानियां खत्म होती हैं। हर दिन सुबह सेब खाने से कब्ज की समस्या से राहत मिल सकती है।
- दिल की सेहत के लिए भी सेब फायदेमंद माना जाता है। सेब में मौजूद पोटैशियम और फाइबर से ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने में मदद मिलती है।
- सेब मे आयरन भी होता है, जो शरीर में खून की कमी को दूर करने में मदद करता है।
- सेब के सेवन से इम्यूनिटी बेहतर होती है। यही वजह है कि डॉक्टर भी हर दिन एक सेब खाने की सलाह देते हैं।
- सेब खाना सेहत के लिए कई तरह से फायदेमंद होता है। लेकिन अगर इसकी अति की जाए तो एक्सपर्ट के मुताबिक सेहत को कई तरह से नुकसान पहुंच सकता है। साथ ही, डायबिटीज के मरीजों को सेब का सेवन बहुत ही सोच-समझकर करना चाहिए, क्योंकि इसमें शुगर की मात्रा ज्यादा होती है।

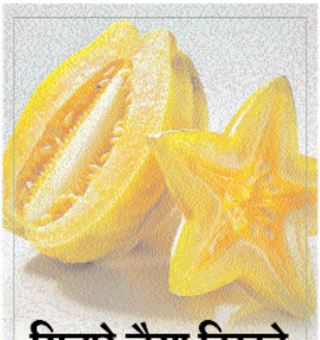

सितारे जैसा दिखने वाला यह फल, कई समस्याओं को कर सकता है हल

कमरख एक बहुत ही बेहतरीन फल है,दिखने में बिल्कुल सितारे के आकार का होता है। इसे खाने से सेहत को कई लाभ मिलते हैं।

प्रकृति ने हमें कई तरह के फलों से नवाजा है, इन्हीं में से एक है स्टार फ्रूट, जिसे हम बोलचाल की भाषा में कमरख के नाम से जानते हैं। यह स्टार के आकार का होता है। खाने में यह स्वादिष्ट तो लगता ही है सेहत को भी काफी लाभ पहुंचाता है। इसमें अलग अलग तरह के विटामिन, खनिज होते है जो आपको कई मायने में फायदे पहुंचाते हैं।

स्टार फ्रूट के फायदे

- स्टार फ्रूट विटामिन सी से भरपूर होता है जो शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देता है। यह रोगाणुओं और बैक्टीरिया से लड़ने में मदद करता है, जिससे संक्रमण का खतरा काफी हद तक काम हो जाता है।
- अगर आप वेट लॉस जर्नी पर हैं तो भी आप स्टार फ्रूट को डाइट मे शामिल कर सकते हैं। इसमें फाइबर की अच्छी मात्रा होती है, जो तृप्ति बढ़ाती है, इससे आपको बार बार भूख नही लगती है। इससे आप ओवर ईटिंग से बच जाते हैं।
- हृदय स्वास्थ्य के लिहाज से भी स्टार फ्रूट काफी फायदेमंद है। इसमें पोटेशियम और फाइबर होते हैं जो रक्तचाप को नियंत्रित करते हैं। फाइबर रक्त कोलेस्ट्रॉल स्तर को नियंत्रित करता है। इस तरह से दिल की सेहत बनी रहती है।
- स्किन हेल्थ के लिए भी स्टार फ्रूट बेहद फायदेमंद है। इसमें विटामिन सी होते हैं जो त्वचा की चमक को बढ़ाने में सहायक होते हैं। विटामिन सी कोलेजन बूस्ट करता है जो त्वचा की लोच बनाए रखता है।
- पाचन स्वास्थ्य के लिए भी स्टार फ्रूट काफी लाभदायक है। इसमें फाइबर की अच्छी मात्रा होती जो नियमित मल त्याग को बढ़ावा देता है, और इस तरह से आपको कब्ज की समस्या नही होती है।
- इसके अलावा स्टार फ्रूट का सेवन डायबिटीज के मरीजों के लिए भी लाभकारी हो सकता है। इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है । यह रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित रखने में मदद कर सकता है।

क्या रोजाना दूध पीने से हड्डियां होती हैं कमजोर?

शरीर में कैल्शियम की मात्रा और हड्डियों की मजबूती के लिए दूध को हमेशा से फायदेमंद माना गया है। लेकिन क्या सच में दूध फायदेमंद होता है या नहीं, इसका जवाब एक्सपर्ट ने दिया है।

दूध पीने के फायदे हम बचपन से सुनते आ रहे हैं। घर में मां से लेकर दादी-नानी का एक ही कहना रहा है कि दूध नहीं पियोगे तो मजबूत कैसे बनोगे। दूध को कैल्शियम, प्रोटीन और विटामिन डी का बेहतरीन सोर्स माना गया है, जो शरीर के साथ-साथ मानसिक परेशानियों को भी दूर करने मे मदद करता है। दूध को बच्चों से लेकर बूढ़ों के लिए फायदेमंद माना गया है। लेकिन आजकल दूध को लेकर कई तरह की धारणाएं चल रही हैं, जिसमें से एक है कि दूध का हर दिन सेवन करने से हड्डियां कमजोर हो सकती हैं। लेकिन क्या सच में रोजाना दूध पीना हमारी हड्डियों को नुकसान पहुंचा सकता है, इसके लिए हमने एक एक्सपर्ट से बात की है।

एक्सपर्ट के मुताबिक, दूध को हड्डियों के लिए फायदेमंद माना गया है। दूध में कैल्शियम, विटामिन डी और प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है, जो हड्डियों की मजबूती और मांसपेशियों के विकास के लिए जरूरी है। प्रेग्नेंट और ब्रेस्टफीड कराने वाली महिलाओं के लिए दूध जरूरी पोषक तत्व माना गया है।

दूध हड्डियों को मजबूत बनाता है और महिलाओं मे मेनोपॉज के बाद ऑस्टियोपोरोसिस के जोखिम को कम करता है। दूध मे मौजूद विटामिन डी और कैल्शियम से मेटाबॉलिज्म बेहतर बनता है, जिससे हड्डियों में भी मजबूती आती है।

अगर किसी को लैक्टोज इंटॉलरेंस यानी दूध या उससे बनी चीजों से एलर्जी है तो ऐसे में डॉक्टर की सलाह से अन्य कैल्शियम वाली चीजों का सेवन करना चाहिए। क्योंकि एक उम्र के बाद महिलाओं के शरीर को कैल्शियम की सख्त जरूरत होती है। दूध से एलर्जी वाले लोगों को कई बार हरी सब्जियां, फल, सोयाबीन और पनीर खाने की सलाह दी जाती है।

एक्सपर्ट के मुताबिक, रोजाना दूध पीना ज्यादातर फायदेमंद माना जाता है। लेकिन अगर आपको दूध पीने से कोई परेशानी होती है तो डॉक्टर से सलाह जरूर लेनी चाहिए।

रोजाना दूध पीने के अन्य फायदे

हर दिन दूध पीने से सिर्फ हड्डिया ही नहीं मजबूत होती है, बल्कि पूरी सेहत पर सकारात्मक असर पड़ता है। दूध पीने से डाइजेशन तो बेहतर होता ही है, साथ ही यह वजन घटाने में मदद भी करता है।

वजन कंट्रोल करने में मदद - दूध में ऐसे तत्व होते हैं, जो शरीर को एनर्जी देते हैं। जिससे लंबे समय तक भूख नहीं लगती है। जो लोग वजन कंट्रोल करना चाहते हैं वह कम फैट वाले दूध का सेवन कर सकते हैं।

कब्ज से छुटकारा - दूध पीना सेहत के लिए कई तरह से फायदेमंद माना गया है। यह पाचन मे मदद करता है और कब्ज की परेशानी से भी राहत दिला सकता है। जिन्हें कब्ज की परेशानी रहती है, वह गर्म दूध का दवा की तरह सेवन कर सकते हैं।

इम्यूनिटी करे मजबूत - दूध में इम्यूनिटी बूस्ट करने वाले न्यूट्रिएंट्स मौजूद होते हैं, जैसे- विटामिन ए, डी और जिंक। दूध को डाइट में शामिल करने से इम्यूनिटी मजबूत होती है शरीर को कई बीमारियों से लड़ने की क्षमता मिलती है।

टेंशन करे दूर - आजकल का लाइफस्टाइल ऐसा हो गया है कि हर किसी को टेंशन रहती है, ऐसे मे रात को दूध पीकर सोना फायदेमंद हो सकता है। जिन लोगों को टेंशन की वजह से नींद नहीं आती है, उन लोगों के लिए यह एक बेहतर उपाय हो सकता है।

स्किन के लिए फायदेमंद - दूध में विटामिन बी 12 भी पाया जाता है, जो स्किन को हेल्दी और ग्लोइंग रखने में मदद करता है। दूध में मौजूद विटामिन ए, नई कोशिकाओं के बनने को भी बढ़ावा देता है, जिससे स्किन के कई रोगों से निपटने में भी मदद मिलती है।

प्रोटीन की कमी करे दूर - शाकाहारी लोगों के लिए दूध प्रोटीन का सबसे अच्छा सोर्स माना गया है। जो लोग अंडे या मांस नहीं खाते हैं, वह दूध और उससे बनी चीजों का सेवन प्रोटीन की कमी को दूर करने के लिए करते हैं। लेकिन दूध के साथ खट्टी चीजों का सेवन करने से बचना चाहिए।

एक्सरसाइज के बाद करें सेवन - दूध में प्रोटीन और कार्ब्स की मात्रा भरपूर होती है, ऐसे में इसे एक्सरसाइज के बाद पीना फायदेमंद माना गया है। इससे मसल्स मे मजबूती आती है और साथ ही यह हाइड्रेट रखने मे भी मदद करता है। दूध मे नेचुरल शुगर होती है, जिसे लैक्टोज भी कहा जाता है, यह शरीर में एनर्जी लेवल को बूस्ट करने में मदद कर सकती है।

मोहल्ले वासियों की मांग शासकीय मैदान में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण को दे बढ़ावा

रायपुर। संतोषी नगर शासकीय स्कूल के समीप शासकीय मैदान में विगत 38 वर्षों से मोहल्ले के सभी वर्ग के द्वारा सामाजिक एवं धार्मिक कार्य करते आ रहे है। वहीं मोहल्ले वासियों का कहना है कि इस क्षेत्र में इसके अलावा और कोई उपयुक्त मैदान नहीं है। मैदान के रख रखाव और स्वच्छ वातावरण को लेकर मोहल्ले वासियों ने जोन कमीशनर को स्पीड पोस्ट के माध्यम से मांग की है कि उक्त मैदान को मैदान ही रखा जाए एवं मैदान के कुछ हिस्सों में छायादार वृक्षारोपण किया जाए। जिससे एक बेहतर वातावरण के जल संरक्षण में भी सहायता मिलेगा एवं बढ़ते प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग के इस युग में वृक्षारोपण एक प्रभावी उपाय है।

आवास प्लस सर्वे में शामिल प्रत्येक हितग्राही का पंजीयन करें - डॉ आशुतोष

जिला पंचायत सीईओ ने ग्राम पंचायतों की समीक्षा बैठक लेकर दिए निर्देश, दायित्व के प्रति लापरवाह टेमरी सचिव तत्काल प्रभाव से निलंबित

कोरिया बैकुंठपुर - राज्य शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। इसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में बन रहे पक्के मकानों की प्रगति पर जिला पंचायत कोरिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ आशुतोष चतुर्वेदी ने जिला स्तरीय समीक्षा बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। उन्होंने ग्राम पंचायत वार समीक्षा के दौरान पदीय दायित्वों के प्रति लापरवाह एक ग्राम पंचायत सचिव को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया। इस बैठक में उप संचालक पंचायत श्रीमती ऋतु साहू और दोनों जनपद पंचायत के सीईओ, कार्यक्रम अधिकारी तथा समस्त ग्राम पंचायत सचिव और रोजगार सहायक शामिल रहे।

जिला स्तरीय बैठक में ग्राम पंचायत के सचिवों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण में आवास प्लस सर्वे में शामिल हितग्राही के समस्त दस्तावेज प्राप्त कर पंजीयन कार्य को जल्द पूरा करें। शत प्रतिशत पंजीयन करने के निर्देश देते हुए जिला पंचायत सीईओ ने कहा कि ग्राम सभा में हितग्राही पात्रता की जांच करते हुए यह कार्य समय सीमा में पूर्ण करें।

आवास कार्य के लिए हितग्राहियों को ९० दिवस का रोजगार दिए जाने की समीक्षा करते हुए जिला पंचायत सीईओ डॉ आशुतोष ने कहा कि आवास का निर्माण तीन चरणों में पूर्ण होता है उसी अनुसार प्रत्येक चरण में हितग्राही को उसकी कार्य दिवस सुविधा अनुसार मनरेगा से लाभान्वित कराते हुए निर्धारित रोजगार देने पर विशेष ध्यान दें। इससे हितग्राहियों को प्रोत्साहित करने में मदद होगी।

मोर गांव मोर पानी के तहत जिले में चल रहे आवा पानी झोंकी अभियान में जनभागीदारी को और बढ़ाने के लिए व्यापक जनसंपर्क करने और प्रचार प्रसार करने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि हर ग्रामीण को जल संरक्षण और जल संचयन के लिए जोड़ना ही हमारे अभियान का प्रमुख कार्य है जैसे ही यह पूरा होगा हमें अपने मूल उद्देश्य जल संरक्षण को पाने में समय नहीं लगेगा।

बैठक में जनपद पंचायत बैकुंठपुर के ग्रामों की समीक्षा दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के क्रियान्वयन में लापरवाही बरतने वाले ग्राम पंचायत टेमरी के सचिव केवला प्रसाद को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिए। जारी आदेश में ग्राम पंचायत टेमरी के निलंबित सचिव श्री केवला प्रसाद को जनपद पंचायत बैकुंठपुर में संलग्न करते हुए ग्राम पंचायत टेंगनी के सचिव श्री शिवकुमार को ग्राम पंचायत टेमरी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। जारी आदेश अनुसार निलंबन के दौरान श्री केवला प्रसाद को जीवन निर्वाह भत्ता प्रदान किए जाने के निर्देश भी जारी किए गए हैं।

न्यूज गैलरी

नगरपालिका बैकुंटपुर में समाधान शिविर का योजना

कोरिया बैकुंठपुर - बैकुण्ठपुर नगरपालिका में सुशासन तिहार के तीसरे चरण के अंतर्गत मानस भवन में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा सुशासन तिहार के पहले चरण में प्राप्त आवेदनों का विवरण एवं विभागीय जानकारी दी गई. शिविर में आए लोगों को जलसंरक्षण, बेटी संग ५ पेड़ व बाल विवाह रोकने के लिए संकल्प दिलाया गया। शिविर में राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, एवं अन्य हितग्राही सामग्री वितरित की गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर भी लगाया गया। समाधान शिविर में इस शिविर में अपर कलेक्टर दीनदयाल मांडवी, बैकुंठर स्ठरू दीपिका नेताम, तहसीलदार प्रियंका सिंह, नगरपालिका के अध्यक्ष श्रीमती नविता शिवहरे एवं उपाध्यक्ष शैलेश शिवहर पूर्व जिला अध्यक्ष कृष्णबिहार जायसवाल व अन्य अधिकारी कर्मचारी बड़ी संख्या में शहरवासी उपस्थित थे।

जिले में विशेष डीसीसी-डीएलआरसी बैठक संपन्न

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। गुरूवार को जिले में कलेक्टर डी. राहुल वेंकट की अध्यक्षता में डीसीसी/डीएलआरसी की कलेक्ट्रेट कार्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित की गई। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम, आरबीआई एलडीओ दीपेश तिवारी, नाबार्ड डीडीओ हर्ष गौरव, क्षेत्रीय प्रमुख सीआरजीबी अमित, जिले के सभी जनपद पंचायतों के सीईओ, बैंकों के जिला समन्वयक तथा सरकारी प्रायोजित योजनाओं से संबद्ध सभी एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में सीडी रेशियो, प्राथमिकता क्षेत्र ऋण वितरण, सरकारी प्रायोजित योजनाओं की प्रगति, तथा वार्षिक ऋण योजना (एसीपी) जैसे प्रमुख बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक का संचालन एवं समन्वय एलडीएम संजीव पाटिल द्वारा किया गया।

पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने वाले दोषी पति को 7 साल की कैद

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश मनेंद्रगढ़ विवेक कुमार तिवारी की अदालत ने पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने के अपराध में दोषसिद्ध पाए जाने पर अभियुक्त पति को 7 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है।

न्यायालयीन सूत्रों के अनुसार अभियुक्त के द्वारा लगातार स्वयं की पत्नी मृतिका रागिनी कुशवाहा को शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित कर मायके से पैसे लाने एवं साथ नहीं रहने तथा बार-बार उसके मरने पर दूसरी शादी करने की बात कहते हुए मरने के लिए दुष्प्रेरित किए जाने के परिणामस्वरूप मृतिका ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मामले में मनेंद्रगढ़ पुलिस द्वारा केस दर्ज कर विवेचना पूर्ण करने के उपरांत अभियोग पत्र न्यायालय में पेश किया गया। न्यायाधीश ने अपराध की प्रकृति व अन्य समस्त परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए मनेंद्रगढ़ थानांतर्गत ग्राम भल्लौर निवासी अभियुक्त 25 वर्षीय प्रदीप कुशवाहा पिता पन्नालाल को धारा 108 बीएनएस के तहत 7 वर्ष के सश्रम कारावास व 1 हजार रूपए अर्थदंड से दंडित किया है। अर्थदंड की राशि अदा नहीं किए जाने पर अभियुक्त को 1 वर्ष का अतिरिक्त सश्रम कारावास भुगतना होगा।

सुशासन तिहार में मिली शिकायत पर पर्यवेक्षक का तबादला

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। 20 मई को कठौतिया में आयोजित सुशासन तिहार के अवसर पर कछौड़ सेक्टर की कुछ आंगनबाड़ी कार्यकताओं द्वारा जिले के प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम एवं स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के समक्ष सेक्टर पर्यवेक्षक चिंता तिवारी के संबंध में गंभीर शिकायत प्रस्तुत की गई। उक्त शिकायत को दोनों मंत्रियों ने कार्यक्रम स्थल पर ही गंभीरता से लेते हुए संबंधित सेक्टर की पर्यवेक्षक को तत्काल प्रभाव से उनके वर्तमान प्रभार से हटाते हुए अन्यत्र पदस्थ किए जाने निर्देशित किया। निदेशों का पालन करते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए कछौड़ सेक्टर की पर्यवेक्षक चिंता तिवारी को तत्काल प्रभाव से सेक्टर प्रभार से मुक्त कर बाल विकास परियोजना कार्यालय मनेंद्रगढ़ में सम्बद्ध किया गया है। इसके साथ ही कछौड़ सेक्टर का नया प्रभार रत्नाबाई सिदार पर्यवेक्षक बाल विकास परियोजना मनेंद्रगढ़ को सौंपा गया है, जिससे क्षेत्रीय आंगनबाड़ी कार्यकताओं एवं हितग्राहियों के बीच बेहतर समन्वय एवं कार्य निष्पादन सुनिश्चित किया जा सके।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) मनेन्द्रगढ़ के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202505330400014

मामले की श्रेणी:- राजस्व

विषयः- अ-6 अ, सनः- 2024-2025
पिपरिया (प.ह.नं. 00010)
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार - अशोक कुमार,
अनावेदक पक्षकार - इमरान ईराकी, छ.ग. शासन
जा.क्र./1662/वाचक-4/2025,
दिनांक 16/05/2025

//ईश्तहार//

नगर/ग्राम पिपरिया की जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक अशोक कुमार आ. लालमन, निवासी ग्राम पिपरिया, तहसील मनेन्द्रगढ़, जिला-एम.सी.बी. अनावेदक इमरान ईराकी पिता मोहम्मद सुलेमान ईराकी, निवासी मनेन्द्रगढ़ द्वारा बताया गया कि आवेदक की स्वामित्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम पिपरिया स्थित ख.नं. 45/3 रकबा 0.200 हे. दर्ज है। जिसका नक्शा सुधार किए जाने हेतु आवेदन पत्र पृथक से प्रस्तुत किया गया है। आवेदक के उपरोक्त भूमि के बगल में अनावेदक की भूमि है, आवेदक के भूमि का नक्शा को अनावेदक नाम पर त्रुटि पूर्ण चिन्हांकित कर दिया गया है। जिसके आधार पर आवेदक के क्रय की गई भूमि का आवेदक के कब्जे की भूमि से अनावेदक के द्वारा बेदखल करने का प्रयास किया जा रहा है। अनावेदक अपने त्रुटिपूर्ण नक्शे के आधार पर वर्तमान में सीमांकन कराया जिससे आवेदक को पता चला है कि आवेदक के विक्रय पत्र में चिन्हांकित स्थल के अनुसार वर्तमान नक्शा का चिन्हांकित नहीं किया गया है। नक्शा त्रुटी होने के कारण मौके पर विवाद उत्पन्न हो रहा है। ऐसी स्थिति में वाद भूमि पर अनावेदक के विरूद्ध स्थगन आदेश जारी किया जाना न्याय हित में आवश्यक है। वाद भूमि पर स्थगन आदेश जारी किए जाने से किसी भी पक्ष को क्षति नहीं हो रही है तथा यदि वाद भूमि पर स्थगन आदेश जारी नहीं किया जाता है तो अनावेदक के द्वारा आवेदक को वाद भूमि से बेदखल कर देगा, जिससे आवेदक अपने ही भूमि से बेदखल हो जावेगा, ऐसी स्थिति में वाद भूमि पर स्थगन आदेश जारी किया जाना न्यायहित में आवश्यक है। आवेदक अपने आवेदन पत्र के साथ अपने नाम पर निष्पादित विक्रय पत्र की छाया प्रति वर्तमान बी-1 खसरा, नक्शा की प्रति प्रस्तुत कर रहा है। ऐसा आवेदन प्रस्तुत कर भूमि का नक्शा सुधार किए जाने एवं स्थगन आदेश जारी किए जाने का निवेदन किया गया है।

अतः उक्त व्यपवर्तन प्रमाण पत्र के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा आपत्ति पेश करना है तो दिनांक 29/05/2025 तक पेश कर सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त किसी भी प्रकार की आपत्ति अथवा दावा स्वीकार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 13/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा द्वारा जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
मनेन्द्रगढ़
जिला - एम.सी.बी. (छ.ग.)

रेत से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली के पलटने से दो लोग हुए घायल

जगदलपुर। जिले के थाना कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत बिनाका मॉल के पास आज मंगलवार की सुबह एक हादसे में रेत से भरी एक ट्रैक्टर ट्रॉली के पलटने और उसकी चपेट में आने की वजह से एक गर्भवती महिला सहित दो लोग घायल हो गए है। दोनों ही घायलों को उपचार के लिए स्थानीय लोगों की मदद से महारानी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) मनेन्द्रगढ़ के न्यायालय में मामला क्रमांक 202505330400021

मामले की श्रेणी :- राजस्व

विषय:- अ-2 सन:- 2024-2025
नागपुर (प.ह.नं. 00004),
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार- श्रीमती पुष्पा जायसवाल,
अनावेदक पक्षकार- छ०ग० शासन,

ईश्तहार

जा०क्रं०/ 1685/ वाचक- 4/ 2025
दिनांक 21/05/2025

ग्राम/नगर नागपुर की जनता को सूचित किया जाता है आवेदिका श्रीमती पुष्पा जायसवाल पति मनमोहन जायसवाल, निवासी वार्ड नं. 03 मिश्रा गली सूरजपुर, तहसील सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा छ०ग० भू०रा० संहिता की धारा 172 के तहत प०ह०नं० 04, ग्राम नागपुर में स्थित भूमि खसरा नं० 231/13, 231/14 रकबा क्रमशः 0.0170 हे०, 0.0150 हे० भूमि पर आवेदिका का नाम राजस्व अभिलेखों में खातेदार के रूप में दर्जशुदा एवं कब्जेदार भूमिस्वामी है। आवेदिका उक्त भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु भूमि परिवर्तन का आवेदन पत्र मय बी-वन, खसरा नक्शा, रजिस्ट्री, नजरी नक्शा, एवं ग्राम पंचायत के अनापत्ति प्रमाण पत्र के साथ प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त भू-व्यपवर्तन के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा आपत्ति पेश करना है, तो दिनांक 02/06/2025 तक पेश कर सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त किसी भी प्रकार की आपत्ति अथवा दावा स्वीकार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 16/05/2025 को जारी किया जाता है।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
मनेन्द्रगढ़, जिला-एम.सी.बी. (छ.ग.)

नेत्र जांच महाअभियान बना जन-जागरूकता की मिसाल

2416 चालकों की हुई जांच, 1000 को मिला निःशुल्क दवा व चश्मा

कोरिया (छत्तीसगढ़) - कोरिया जिले में सड़क सुरक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक अभिनव पहल के रूप में जिला परिवहन विभाग और आर्थो वेलफेयर फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित निःशुल्क नेत्र जांच महाअभियान का सफल समापन हो गया। १ मई से २२ मई तक चले इस अभियान में कुल १४ शिविरों के माध्यम से जिलेभर में २४१६ वाहन चालकों की आंखों की जांच की गई, जिसमें १००० से ज्यादा जरूरतमंद चालकों को निःशुल्क चश्मों व दावा वितरण किया गया। जिसमे १ मई खरवत चौक, २ मई बरबसपुर टोल, ३ मई पटना हाइवे, ५ मई दुबछोला चौक, ६ मई डुमरिया नाका, ७ मई सोनहत बाजार, ८ मई ग्राम बुढ़ार, ९ मई बचरापोंडी, १० मई सुरमी चौक, १२ मई चरचा थाना, १३ मई बंजारीडांड, १५ मई बैकुण्ठपुर बस स्टैंड, १९ मई टेंगनी नाका व अंतिम शिविर २२ मई को कटगोड़ी पहाड़पारा में आयोजित हुआ।

इस जनहितैषी पहल का उद्देश्य चालकों की दृष्टि संबंधी समस्याओं का समय रहते समाधान कर सड़क दुर्घटनाओं की संभावनाओं को कम करना था। अंतिम शिविर २२ मई को पहाड़पारा चौक कटगोड़ी में संपन्न हुआ, जहां बड़ी संख्या में चालकों ने नेत्र जांच सेवाओं का लाभ उठाया। नेत्र विशेषज्ञ मोहसीन रजा और उनकी टीम द्वारा न केवल गहन जांच की गई, बल्कि आवश्यकतानुसार दवाएं और चश्मे भी निःशुल्क प्रदान किए गए।

जिला परिवहन अधिकारी अनिल भगत ने अभियान की सफलता पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा, च्यह अभियान केवल नेत्र जांच तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सड़क सुरक्षा और सामूहिक स्वास्थ्य जागरूकता की दिशा में एक व्यापक कदम है। हम आने वाले समय में ऐसे शिविरों में ब्लड प्रेशर, मधुमेह जैसी जांचें भी शामिल करेंगे।

आर्थो वेलफेयर फाउंडेशन के अध्यक्ष शकील अहमद और उनकी समर्पित टीम–मनोज कुमार मंडल, राहुल सिंह, तरुण प्रताप सिंह, नंदनी, आकांक्षा, माही पंकज, सरिता कुर्रे, स्वीटी सिंह और शबाना–ने शिविरों के संचालन में उल्लेखनीय योगदान दिया वही पुलिस प्रशासन व ग्रामपंचायतो की सक्रिय भूमिका ने भी आयोजन को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस अभियान की सराहना करते हुए स्थानीय चालक भरत कुमार सिंह ने कहा, च्मेरी आंखों में समस्या थी, लेकिन समय और पैसे की कमी के कारण जांच नहीं करवा पा रहा था। इस शिविर ने मुझे राहत दी और अब मैं आत्मविश्वास से वाहन चला सकता हूं। जिला परिवहन अधिकारी ने सभी वाहन चालकों से अपील की है कि वे हर छह माह में आंखों की जांच अवश्य कराएं, साथ ही हेलमेट और सीट बेल्ट के प्रयोग को अनिवार्य रूप से अपनाएं। यह न केवल उनकी नही बल्कि आम नागरिकों की भी सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। कोरिया जिले की यह पहल न केवल छत्तीसगढ़, बल्कि देशभर के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण बन गयी है। यह साबित करता है कि सुरक्षित सड़कें केवल नियमों से नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, जागरूकता और सामूहिक प्रयासों से ही संभव हैं। आइए, हम सब मिलकर इस प्रयास को और आगे बढ़ाएं–सड़क सुरक्षा और स्वस्थ जीवन की ओर एक और कदम।

देश के वीर सपूतों के साथ पूरा राष्ट्र एकजुट है- रामविचार नेताम

कोरिया बैकुण्ठपुर - जिला मुख्यालय में सर्वसमाज के तत्वाधान में ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता और भारतीय सेना के अदम्य साहस के सम्मान में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। तिरंगा यात्रा गांधी पार्क से प्रारंभ होकर शहर के विभिन्न मार्गो से निकाली गई। तिरंगा यात्रा में राष्ट्रभक्ति के गीतों और भारत माता की जयज्ञ के नारों से गूंजते वातावरण ने यह संदेश दिया कि देश के वीर सपूतों के साथ पूरा राष्ट्र एकजुट है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम, विधायक भईयालाल राजवाड़े, कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी, जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी, पुलिस अधीक्षक रवि कुमार कुर्रे, जिला पंचातय सीईओ अशुतोश चतुर्वेदी, पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष शैलेष शिवहरे, जिला महामंत्री पंकज गुप्ता, विनोद साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा, उपाध्यक्ष वंदना राजवाड़े, नगर पालिका अध्यक्ष नविता शिवहरे, शैलेन्द्र शर्मा, संदीप सोनी, सीटू अग्रवाल, संजय गुप्ता, प्रदीप तिवारी, बसंत राय, राजेश सिंह, अनिल खटिक, कपिल जायसवाल, संजय चिकनजूरी, मैनेजर राजवाड़े, किशोर सिरदार, रामलखन यादव, राजाराम राजवाड़े, अभिमन्यु मृदुली, रंजीत मंडल, शारदा गुप्ता, तीरथ राजवाड़े, रवि त्रिपाठी, रमन गुप्ता, महेन्द्र वैद्य, सुभाष साहू, योगेन्द्र मिश्रा, मनोज साहू, रामप्रताप मरावी, नवरतन पाण्डेय, राजेश सोनी, मीरा सोनी, चन्द्रकली राजवाड़े, ममता कुशवाहा, ललिता यादव, अनिल साहू, दिनेश चक्रधारी, सुरेन्द्र चक्रधारी, भानूपाल, अभिनेन्द्र चंदेल, शिव राजवाड़े, रिता यादव, शिव कुमारी सोनपाकर, सोनिया राजवाड़े, जगदीश साहू, सुभाष साहू, अन्नू दुबे सहित भारी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

पटना-चर्लपल्लि-पटना के बीच चल रही स्पेशल ट्रेनों का संचालन बढ़ा 1 अगस्त तक

रायपुर–बिलासपुर। गर्मी के दौरान ट्रेनों में यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए उन्हें कंफर्म बर्थ के साथ यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए रेलवे द्वारा पटना-चर्लपल्लि-पटना के बीच चल रही स्पेशल ट्रेनों का संचालन 1 अगस्त 2025 तक बढ़ा दिया गया है। गाड़ी संख्या 03253 (पटना-चर्लपल्लि द्विसाप्ताहिक स्पेशल) ट्रेन पहले 17 मार्च से 28 मई 2025 तक प्रत्येक सोमवार और बुधवार को चल रही थी। अब इसका संचालन 30 जुलाई 2025 तक बढ़ाया गया है (कुल 22 फेरे)। गाड़ी संख्या 07255 (चर्लपल्लि-पटना साप्ताहिक स्पेशल) यह ट्रेन पहले 19 मार्च से 28 मई 2025 तक प्रत्येक बुधवार को चल रही थी। अब यह 1 अगस्त 2025 तक चलेगी (कुल 11 फेरे)। गाड़ी संख्या 07256 (चर्लपल्लि-पटना साप्ताहिक स्पेशल) यह ट्रेन पहले 21 मार्च से 30 मई 2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को चल रही थी। इसका संचालन भी अब 1 अगस्त 2025 तक किया जाएगा (कुल 11 फेरे)। समय-सारणी इस प्रकार है- 03253 पटना-चर्लपल्लि स्पेशल, पटना से प्रत्येक सोमवार और बुधवार को दोपहर 3:00 बजे रवाना होगी।

उत्तराखंड के रोहित भट्ट ने एवरेस्ट फतह किया, द्रौपदी का डांडा पर्वतारोहियों को भी श्रद्धांजलि

नईदिल्ली, 22 मई। उत्तराखंड के टिहरी जिले के रहने वाले पर्वतारोही रोहित भट्ट के नाम और उपलब्धि जुड़ गई है. रोहित भट्ट ने आज सुबह माउंट एवरेस्ट आरोहण किया है. पर्वतारोही रोहित भट्ट ने माउंट एवरेस्ट पर तिरंगे को लहराया और इसी के साथ ये पल उनकी जीवन का खास पल बन गया. इस दौरान रोहित ने उनसे बिछुड़ चुके 29 पर्वतारोहियों को भी श्रद्धांजलि दी.

उनके इस सफल आरोहण में उनके साथ शेरपा समेत दो लोग मौजूद थे. वहीं रोहित भट्ट की इस उपलब्धि से उनके परिवार में खुशी का माहौल है. इससे पहले रोहित भट्ट अप्रैल महीने में दुनिया की सबसे ऊंची माउंट एवरेस्ट चोटी को फतेह करने के लिए रवाना हुए थे. इस यात्रा के परमिशन मिलने के बाद रोहित काफी खुश नजर आए थे.

बीसीसीआई ने इंग्लैंड दौरे के लिए टीम इंडिया का किया ऐलान, आयुष म्हात्रे को बनाया गया नया कप्तान?

नई दिल्ली, 22 मई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए भारत की अंडर-19 16 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है. दोनों टीमों को 24 जून से 23 जुलाई तक दौरे पर 5 वनडे और दो मल्टी-डे मैच खेलने हैं. इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए अच्छा प्रदर्शन करने वाले आयुष म्हात्रे को टीम का कप्तान बनाया गया है. वहीं, विकेटकीपर-बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू को उनका डिप्टी नियुक्त किया गया है.

आयुष म्हात्रे आईपीएल 2025 की खोज में से एक हैं, जो मौडूदा सीजन के बीच में चोट के कारण सीएसके में शामिल हुए थे. उन्होंने अब तक सिर्फ 6 मैचों में 34.33 की औसत और 187.27 की प्रभावशाली स्ट्राइक रेट से कुल 206 रन बनाए हैं, जिसमें एक शानदार अर्धशतक भी शामिल है. इस युवा खिलाड़ी ने सीएसके के साथ अपने छोटे से कार्यकाल में 28 चौके और 8 छक्के लगाए हैं.

बीसीसीआई ने इस टीम में आईपीएल 2025 में सनसनी मचाने वाले बाएं हाथ के धाकड़ युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को भी शामिल किया है. उन्होंने इस सीजन के बीच में ही अपना डेब्यू किया और 7 मैच खेले, जिसमें 36 की औसत और 206.55 की बेहतरीन स्ट्राइक रेट से 252 रन बनाए. इस दौरान उन्होंने 1 शतक और 1 जड़ा. सूर्यवंशी ने 34 गेंदों पर किसी भारतीय द्वारा लगाया गया सबसे तेज शतक लगाया और इस सीजन में कई रिकॉर्ड तोड़कर इतिहास रच दिया.

इंग्लैंड के आगामी दौरे पर सभी की निगाहें इन दो सुपरस्टार खिलाडि ?ों पर होंगी और इस दौरे पर उनकी लाल गेंद की स्किल्स की भी परीक्षा होगी. उनके अलावा, हरवंश सिंह, कनिष्क चौहान, आदित्य राणा और अनमोलजीत सिंह जैसे खिलाड़ी भी भारत अंडर-19 के लिए इंग्लैंड दौरे पर महत्वपूर्ण होंगे.

आयुष म्हात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा, मौल्यराजसिंह चावड़ा, राहुल कुमार, अभिज्ञान कुंडू (उप-कप्तान और विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलान पटेल, हेनिल पटेल, युधाजीत गुहा, प्रणव राघवेंद्र, मोहम्मद एनान, आदित्य राणा, अनमोलजीत सिंह.

स्टैंडबाय खिलाड़ीः नमन पुष्पक, डी दीपेश, वेदांत त्रिवेदी, विकल्प तिवारी, अलंकृत रापोल (विकेटकीपर)

मुंबई ने दिल्ली को हराकर प्लेऑफ में मारी धमाकेदार एंट्री, सूर्य ने खेली शानदार 73 रनों की पारी

0-बुमराह और सेटनर ने झटके 3-3 विकेट

मुंबई, 22 मई। आईपीएल 2025 के 63 वें मैच में मुंबई इंडियंस ने दिल्ली कैपिटल्स को 59 रनों से हरा दिया है. इसके साथ मुंबई प्लेऑफ में पहुंचने वाली चौथी टीम बन गई. 181 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली की पूरी टीम 121 रनों पर सिमट गई. इसके साथ दिल्ली का सफर यहीं पर ही खत्म हो गया. मुंबई के ओर से बुमराह ने 3.2 ओवर में 12 रन देकर 3 विकेट लिए जबकि सेटनर ने 4 ओवर में 11 रन देकर 3 विकेट झटके. गुजरात, अरसीबी और पंजाब के बाद मुंबई प्लेऑफ में पहुंचने वाली चौथी टीम बन गई है. इस जीत के साथ मुंबई के कुल 16 अंक हो गए हैं और उनका लीग का आखिरी मैच पंजाब से है.

दिल्ली की टीम 181 रनों के लक्ष्य पीछा करने में विफल रही, क्योंकि समीर रिजवी (39 रन) के अलावा उनका कोई भी बल्लेबाज विकेट पर टिक नहीं सका. जिसकी वजह से उन्हें 59 रनों से हार का सामना करना पड़ा. दिल्ली आईपीएल 2025 में लगातार 4 मैच जीतकर अपने अभियान की शुरूआत करने के बावजूद प्लेऑफ से बाहर हो गई. जबकि मुंबई शुरू में लगातार 5 मैच हारने के बाद भी प्लेऑफ में क्वालीफाई करके सबको एक बार फिर चौंका दिया है. इससे पहले टॉस हारने के बाद मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 180 रन बनाए, जिसमें अंतिम दो ओवरों में 48 रन बने. सूर्यकुमार 16वें ओवर की समाप्ति पर 28 गेंदों पर 35 रन बनाकर खेल रहे थे, लेकिन डेथ ओवरों में उन्होंने आक्रामक शुरूआत की. उन्होंने अंतिम ओवर में दुष्मंथा चमीरा की धज्जियां उड़ाते हुए दो छक्कों और दो चौकों सहित 21 रन बनाए.

सूर्यकुमार ने स्कोर में तेजी लाने के लिए सही समय का इंतजार किया, खेल को गहराई तक ले गए और डेथ ओवरों में टीम को महत्वपूर्ण गति प्रदान की. सूर्य ने 43 गेंद पर 73 रनों की इनिंग खेली, जिसमें 7 चौके और 4 छक्के शामिल थे.

पहले सात ओवरों में नियमित अंतराल पर मुंबई इंडियंस के विकेट खोने के बाद उन्होंने और तिलक वर्मा ने 55 रनों की साझेदारी की. तिलक ने 27 गेंदों पर 27 रन बनाए, जबकि नमन धीर ने शानदार फिनिशिंग टच देते हुए सिर्फ 8 गेंदों पर 24 रन बनाए.

आईपीएल में गुजरात और लखनऊ का मुकाबला

अहमदाबाद, 22 मई। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के 64वें मैच में आज गुजरात टाइटन्स और लखनऊ सुपर जायंट्स की टीमें एक-दूसरे से भिड़ेंगी. दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला शाम 7:30 बजे से नरेंद्र मोदी स्टेडियम, अहमदाबाद में खेला जाएगा. गुजरात की टीम पहले ही आईपीएल 2025 प्लेऑफ में पहुंच चुकी है. वहीं, लखनऊ की टीम प्लेऑफ की रेस से बाहर हो चुकी है. हालांकि, गुजरात टाइटन्स प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष 2 में बने रहने के लिए आज के मैच में जीत दर्ज करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी.

ऋषभ पंत की अगुवाई वाली और तेज गेंदबाजों की चोटों से प्रभावित रही लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम का प्रदर्शन आईपीएल 2025 में फीका रहा. 12 मैचों में सिर्फ 5 मैच जीतकर 10 प्वाइंट्स हासिल करने वाली एलएसजी शीर्ष-4 में जगह बनाने से चूक गई है. आज गुजरात के खिलाफ मैच में लखनऊ की टीम जीत दर्ज कर अपने फैंस को खुश होने का मौका देना चाहेगी. लखनऊ के लिए खोने के लिए कुछ नहीं है ऐसे में सभी खिलाड़ी बिना किसी दबाव के अपने स्वाभाविक खेल दिखा सकते हैं.

वहीं, गुजरात टाइटन्स की टीम आज अपने होम ग्राउंड पर मैच जीतकर प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष-2 में बने रहना चाहेगी. बता दें कि, अंक तालिका में शीर्ष-2 स्थानों वाली टीमों को फाइनल में पहुंचने के लिए 2 मौके मिलेंगे. स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल की कमान वाली गुजरात की टीम पहले ही प्लेऑफ में जगह बना चुकी है. जीटी फिलहाल 12 मैचों में सर्वाधिक 18 अंकों के साथ प्वाइंट्स टेबल में पहले नंबर पर बनी हुई है. गुजरात टाइटन्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच हेड टू हेड रिकॉर्ड्स की बात करें तो इसमें गुजरात का पलड़ा भारी है. दोनों टीमें अभी तक 6 आईपीएल मैचों में एक-दूसरे से भिड़ी हैं. इस दौरान गुजरात ने 4 मैचों में जीत दर्ज की है. वहीं, लखनऊ की टीम 2 मैच जीतने में कामयाब हुई है. हालांकि, लखनऊ ने हाल ही में दोनों टीमों के बीच खेले गए पिछले 2 मैच जीते हैं, ऐसे में लखनऊ को हल्के में लेना गुजरात को महंगा पड़ा सकता है. दोनों टीमों के बीच आज एक कड़ा मुकाबला होने की उम्मीद है. नरेंद्र मोदी स्टेडियम की पिच की बात करें तो यह बल्लेबाजों के लिए मददगार मानी जाती है. इस मैदान पर ज्यादातर हाई स्कोरिंग मैच देखने को मिलते हैं, जहां पर बल्लेबाज सेट होने के बाद आसानी से बड़े शॉट्स लगा सकते हैं. इस मैदान पर दो तरह की पिच मौजूद हैं, जिसमें लाल मिट्टी और काली मिट्टी वाली पिच शामिल हैं. लाल मिट्टी वाली पिच स्पिनर गेंदबाजों के लिए मददगार रहती है. वहीं, काली मट्टी वाली पिच तेज गेंदबाजों को अधिक मदद करती है क्योंकि यह उन्हें उछाल प्रदान करती है.

छोटी खबरें

आयरलैंड की हैट्रिक जीत, वेस्टइंडीज को फिर हराया, पॉल स्टर्लिंग ने रचा नया इतिहास

डबलिन, 22 मई। आयरलैंड ने बुधवार, 21 मई को डबलिन के कैसल एवेन्यू में वेस्टइंडीज पर ऐतिहासिक 124 रनों की जीत दर्ज की. तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मैच में जीत 304 के जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 34.1 ओवर में 179 पर ही ढेर हो गई.

यह वनडे क्रिकेट में वेस्टइंडीज पर आयरलैंड की लगातार तीसरी जीत थी. वैसे कुल मिलाकर, आयरलैंड ने वेस्टइंडीज पर अपनी चौथी जीत दर्ज की. आयरलैंड की टीम ने एंडी बालबर्नी के शतक और गेंदबाजी इकाई के सामूहिक प्रयास की बदौलत ये बड़ी जीत दर्ज की.

304 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए, वेस्टइंडीज ने पारी की शुरूआत में ही लडखड़ा गई और उनके 31 के स्कोर पर ही 5 खिलाड़ी पवेलियन लौट गए. उसके बाद जस्टिन ग्रीव्स (17 गेंदों पर 35 रन), रोस्टन चेज (76 गेंदों पर 55 रन) और मैथ्यू फोर्ड (48 गेंदों पर 38 रन) ने कुछ अच्छी पारियां खेलीं, लेकिन वे टीम को जीत दिलाने के लिए पर्याप्त नहीं थीं. आयरलैंड की ओर से मकार्थी ने 4 जबकि डॉक्रेल ने 3 विकेट लिए. इससे पहले मैच में वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर आयरलैंड को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया. सलामी बल्लेबाज पॉल स्टर्लिंग (54) और एंडी बालबर्नी (112) ने पहले विकेट के लिए 109 रनों की साझेदारी की. इसके बाद बल्लेबाजो ने रन बनाने की गति को जारी रखा और टीम ने 300 रनों का आंकड़ा पार किया. हैरी टेक्टर ने टीम की जीत में अहम भूमिका निभाते हुए 56 रन बनाए, मैथ्यू फोर्ड और अल्जारी जोसेफ ने क्रमशः तीन और दो विकेट लिए. आयरलैंड के कप्तान पॉल स्टर्लिंग ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे मैच में 54 रनों की अर्धशतक पारी खेलकर इतिहास रच दिया. क्योंकि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10,000 रन बनाने वाले पहले आयरलैंड के खिलाड़ी बन गए. 34 वर्षीय स्टर्लिंग देश के लिए अंतरराष्ट्रीय रन बनाने के मामले में अपने हमवतन से काफी आगे हैं. दूसरे स्थान पर मौजूद एंडी बालबर्नी अभी भी स्टर्लिंग से लगभग 4000 रन पीछे हैं.

टोटेनहम हॉटस्पर ने रचा इतिहास, मैनचेस्टर यूनाइटेड को हराकर 17 साल बाद जीता यूरोपा लीग का खिताब

बिलबाओ (स्पेन), 22 मई। टोटेनहम हॉटस्पर ने 22 मई, बुधवार को यहां स्पेन के बिलबाओ में मैनचेस्टर यूनाइटेड पर 1-0 की मामूली जीत के साथ यूरोपा लीग फाइनल जीतकर अपने 17 साल के लंबे ट्रॉफी सूखे को खत्म किया. 2008 में लीग कप जीतने के बाद से यह उनकी पहली खिताबी जीत है. पहले हाफ में ब्रेनन जॉनसन का गोल मैच में बनाया गया एकमात्र गोल साबित हुआ. इस मैच में कोई बेहतरीन फुटबॉल नहीं देखने को मिला, लेकिन नॉर्थ लंदन के इस क्लब के लिए यह बहुत मायने रखता था. मैनचेस्टर यूनाइटेड को 16 मौके मिले, जिनमें से छह निशाने पर लगे, लेकिन वे सफलता नहीं पा सके. इस करारी हार के साथ, रुबेन एमोरिम के पुरुष अब अगले सत्र में यूरोपीय प्रतियोगिता से बाहर हो जाएंगे.

जॉनसन के गोल को छोड़कर, पहला हाफ दोनों टीमों के लिए यादगार नहीं रहा. वे गेंद को अपने कब्जे में रखने में लापरवाह थे और अंतिम तीसरे भाग में सटीकता की कमी थी. मैच का सबसे महत्वपूर्ण क्षण हाफटाइम से ठीक पहले आया जब पापे सार ने जॉनसन को निशाना बनाते हुए यूनाइटेड पेनल्टी क्षेत्र में गेंद को असिस्ट किया. जॉनसन ने यूनाइटेड के गोलकीपर आंद्रे ओनाना को पीछे छोड़ते हुए गेंद को नेट में पहुंचा दिया, यह गोल टोटेनहम हॉटस्पर की ऐतिहासिक जीत में निर्णायक साबित हुआ.

-------------------------- व्यापार --------------------------

भारतीय शेयर बाजार की दमदार वापसी, निवेशकों ने कमाए करोड़ों

मुंबई ,22 मई । भारतीय शेयर बाजार ने बुधवार के कारोबारी सत्र में दमदार वापसी की। बाजार में चौतरफा खरीदारी देखी गई। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 410.19 अंक या 0.51 प्रतिशत की तेजी के साथ 81,596.63 और निफ्टी 129.55 अंक या 0.52 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,813.45 पर था।

बाजार में तेजी का नेतृत्व डिफेंस शेयरों ने किया। बीईएल 5.26 प्रतिशत, एचएएल 3.13 प्रतिशत, सोलार इंडस्ट्रीज 5.26 प्रतिशत और मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स 2.83 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी खरीदारी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 436.95 अंक या 0.78 प्रतिशत की मजबूती के साथ 56,619.60 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 65.60 अंक या 0.38 प्रतिशत की तेजी के साथ 17,548.60 पर था। शेयर बाजार के सभी सेक्टोरल इंडेक्स हरे निशान में बंद हुए। ऑटो, आईटी, फार्मा, एफएमसीजी, मेटल, रियल्टी और एनर्जी सबसे ज्यादा बढ़ने वाले इंडेक्स थे।

सेंसेक्स पैक में बजाज फिनसर्व, टाटा स्टील, सन फार्मा, टेक महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, एनटीपीसी, नेस्ले, टाटा मोटर्स, एचयूएल, एमएंडएम और इटरनल (जोमैटो) टॉप गेनर्स थे। इंडसइंड बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, पावर ग्रिड, आईटीसी और अल्ट्राटेक सीमेंट टॉप लूजर्स थे। जियोजित इन्वेस्टमेंट लिमिटेड के रिसर्च हेड , विनोद नायर ने कहा, शेयर बाजार का रुझान सकारात्मक था। हालांकि, बाजार एक छोटी रेंज में कारोबार रहा है और मौजूदा परिस्थितियां तेजी में बिकवाली का संकेत दे रही हैं। उन्होंने आगे कहा, अमेरिका और भारत के बीच बातचीत को लेकर हाल के समय में अनिश्चितता बढ़ी है। वहीं, अमेरिका की क्रेडिट रेटिंग के डाउनग्रेड से एफआईआई की बिकवाली ने बाजार पर दबाव बनाने का काम किया है।

एनएसई के प्रोविजनल डेटा के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 20 मई को 10,016.10 करोड़ रुपए के भारतीय शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) 6,738.39 करोड़ रुपए के शुद्ध खरीदार थे। इससे पहले भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार के कारोबारी सत्र में बिकवाली देखी गई थी। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 872.98 अंक या 1.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81,186.44 और निफ्टी 261.55 अंक या 1.05 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,683.90 पर बंद हुआ।

कमजोर वैश्विक वृद्धि के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत : आरबीआई

नई दिल्ली ,22 मई । वैश्विक विकास लगातार व्यापारिक तनाव, बढ़ी हुई नीतिगत अनिश्चितता और कमजोर उपभोक्ता भावना के कारण चुनौतियों का सामना कर रहा है। इसके बावजूद, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा है कि उच्च व्यापार और टैरिफ-संबंधी चिंताओं के बाद भी भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है।

आरबीआई बुलेटिन के अनुसार, इन चुनौतियों के बीच, भारतीय अर्थव्यवस्था ने मजबूती प्रदर्शित की है। अप्रैल में औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों के हाई-फ्रिक्वेंसी इंडीकेटर्स ने अपनी गति बनाए रखी। रबी की बंपर फसल और गर्मियों की फसलों के लिए अधिक रकबा, साथ ही 2025 के लिए अनुकूल दक्षिण-पश्चिम मानसून पूवार्नुमान, कृषि क्षेत्र के लिए अच्छा संकेत देते हैं।

बुलेटिन में कहा गया है कि जुलाई 2019 के बाद से लगातार छठे महीने हेडलाइन सीपीआई मुद्रास्फीति अपने निम्नतम स्तर पर आ गई, जो मुख्य रूप से खाद्य कीमतों में निरंतर कमी के कारण हुई। अप्रैल में डोमेस्टिक फाइनेंशियल मार्केट सेंटीमेंट में उतार-चढ़ाव रहा, लेकिन मई के तीसरे सप्ताह से इसमें सुधार देखने को मिला।

आठ प्रमुख उद्योगों की वृद्धि दर अप्रैल में 0.5 प्रतिशत रही

नई दिल्ली ,22 मई । देश के आठ मुख्य उद्योगों के संयुक्त सूचकांक में अप्रैल में सालाना आधार पर 0.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा मंगलवार को जारी किए डेटा में यह जानकारी दी गई।

आधिकारिक बयान के अनुसार, इस वर्ष अप्रैल में इस्पात, सीमेंट, कोयला, बिजली और प्राकृतिक गैस के उत्पादन में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई।

आठ प्रमुख उद्योगों का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में हिस्सेदारी 40.27 प्रतिशत है और यह समग्र औद्योगिक विकास का इंडिकेटर है।

सूचकांक में लगभग 18 प्रतिशत का भार रखने वाले इस्पात का उत्पादन अप्रैल, 2025 में पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में 3 प्रतिशत बढ़ा है। अप्रैल से मार्च, 2024-25 के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 6.9 प्रतिशत बढ़ा है। अप्रैल के दौरान सीमेंट उत्पादन में 6.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि अप्रैल से मार्च, 2024-25 के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 6.3 प्रतिशत बढ़ा है।

इस्पात और सीमेंट दोनों क्षेत्रों ने मजबूत वृद्धि दिखाई है क्योंकि राजमार्ग, रेलवे, बंदरगाह और हवाई अड्डों जैसी बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में सरकार के बड़े निवेश ने इन उत्पादों की मांग को बढ़ावा दिया है। इसके अलावा, निर्माण उद्योग में भी तेजी आई है।

सूचकांक में लगभग 20 प्रतिशत भार रखने वाली बिजली के उत्पादन में अप्रैल, 2025 में पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में 1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। अप्रैल से मार्च, 2024-25 के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 5.2 प्रतिशत बढ़ा।

अप्रैल 2025 में कोयला उत्पादन पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 3.5 प्रतिशत बढ़ा, जबकि अप्रैल से मार्च, 2024-25 के दौरान इसकी संचयी वृद्धि पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 5.1 प्रतिशत रही।

पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में इस वर्ष अप्रैल में प्राकृतिक गैस उत्पादन में 0.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई। हालांकि, ओएनजीसी के पुराने तेल क्षेत्रों के कारण अप्रैल 2024 की तुलना में इस महीने के दौरान कच्चे तेल के उत्पादन में 2.8 प्रतिशत की गिरावट आई।

अप्रैल, 2025 में पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पादन पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 4.5 प्रतिशत घटा। अप्रैल से मार्च, 2024-25 के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 2.8 प्रतिशत बढ़ा।

अप्रैल 2025 में उर्वरक उत्पादन में पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में 4.2 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि अप्रैल से मार्च, 2024-25 के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 2.9 प्रतिशत बढ़ा।

आधिकारिक बयान में कहा गया है कि अप्रैल से मार्च, 2024-25 के दौरान मुख्य सेक्टर की संचयी वृद्धि दर अब पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 4.5 प्रतिशत है।

राजधानी
■ RNI No.CHHHIN/ 9479/2002 ■ Postal Regn No./RYPDN/11/2014-16 अम्बिकावाणी
रायपुर, शुक्रवार 23 मई, 2025

आकाशीय बिजली गिरने से 7 लोगों की मौत, 4 मवेशी भी आए चपेट में

दंतेवाड़ा-वाड्रफनगर। छत्तीसगढ़ में इन दिनों मौसम का मिजाज बदला हुआ है और गरज-चमक के साथ जमकर बारिश हो रही है। गीदम में आकाशीय बिजली गिरने से 3 ग्रामीणों की मौत हो गई है। गुमलनार में 1 महिला और पुरूष की मौत हुई है तो वहीं, गीदम के कुम्हारपारा में भी एक महिला की मौत की खबर है। इधर, बीते बुधवार को वाड्रफनगर और मनेंद्रगढ़ में भी आकाशीय बिजली का कहर देखने को मिला। वाड्रफनगर में 3 व्यक्ति और 4 मवेशियों की मौत हो गई तो वहीं, एक व्यक्ति के झूलसने की खबर है। वाड्रफनगर के जोगियानी, सुलसुली और मझौली गांव की यह घटना बताई जा रही है। मनेंद्रगढ़ के मुसरा गांव में भी आकाशीय बिजली गिरने से 1 ग्रामीण की मौत हुई तो वहीं, 2 व्यक्ति झूलसे। फिलहाल दोनों का इलाज जारी है।

न्यूज गैलरी

एन.एच.एम.एम.आई. हॉस्पिटल का लायलेंस निलंबित

रायपुर। कलेक्टर गौरव सिंह ने लालपुर में स्थित एन.एच. एम.एम.आई. हॉस्पिटल का अनुज्ञा पत्र (लायसेंस) निलंबित करते हुए निरस्तीकरण नोटिस व 20,000 का जुमार्ना भी लगाया है। यह कार्रवाई बीते 12 सितंबर 24 को एयर एम्बुलेंस में ले जाते समय भारती देवी खेमानी की मृत्यु के मामले में की गई। इस मामले की शिकायत पर जांच प्रतिवेदन अनुसार मरीज को बिना डॉक्टर के एम्बुलेंस में अस्पताल से एयरपोर्ट तक पहुंचाने के दरम्यान लापरवाही बरती गयी है। इसे नर्सिंग होम एक्ट के धाराओं का उल्लंघन है। अस्पताल प्रबंधन ने नर्सिंग होम एक्ट की धारा 9 (1) में उल्लेखित प्रावधान तथा मानक के स्थापना में विनिर्दिष्ट नियम के अनुसार अनुसूची (1) के (क) (3.2) (3.3) का उल्लंघन किया। इसी तरह से एक्ट अध्याय 3 के धारा 12 का (1) का उल्लंघन किया जाना पाया गया है, जो कि अनुज्ञा पत्र के संबंध में बनाये गये प्रावधान का उल्लंघन करता है जो राशि रु. 20,000 के जुमार्ने से दण्डनीय है। कलेक्टर ने संचालक स्वास्थ्य सेवायें छ.ग. आदेशानुसार एन.एच. एम.एम.आई. हॉस्पिटल लालपुर, रायपुर का अनुज्ञा पत्र का निलंबन एवं निरस्तीकरण 30 दिवस का नोटिस जारी किया है। जुमार्ने की राशि डिमांड ड्राफ्ट में कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला रायपुर में जमा करना होगा।

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 103 अमृत भारत स्टेशनों का वर्चुअल उद्घाटन,छत्तीसगढ़ को 5 अमृत भारत स्टेशनों की सौगात

00 राज्यपाल डेका उरकुरा स्टेशन में आयोजित कार्यक्रम में हुए शामिल, 00 नये भारत की गतिशील अर्थव्यवस्था की रीढ़ है रेलवे - डेका

रायपुर - प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आज वीडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकसित 103 स्टेशनों का लोकार्पण किया। इन स्टेशनों में छत्तीसगढ़ के डोंगरगढ़, भानुप्रतापपुर, भिलाई, उरकुरा और अंबिकापुर स्टेशन भी शामिल है।

इस अवसर पर उरकुरा के रेलवे स्टेशन में कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमे राज्यपाल श्री रमेन डेका बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उन्होंने लगभग 10 करोड़ की लागत से पुनर्विकसित उरकुरा स्टेशन का विधिवत लोकार्पण किया। स्टेशन को आधुनिक सुविधाओं, आकर्षक डिजाइन और सांस्कृतिक वातावरण के साथ यात्रियों के लिए विशेष अनुभव के रूप में तैयार किया गया है।

इस अवसर पर राज्यपाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेलवे एक अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। अमृत भारत स्टेशन योजना केवल यात्री सुविधाओं के उन्नयन तक सीमित नहीं है बल्कि यह विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि रेलवे अब केवल यातायात का माध्यम नहीं बल्कि नये भारत की गतिशील अर्थव्यवस्था की रीढ़ बन चुकी है। राज्यपाल ने बताया कि छत्तीसगढ़ में इस समय 35 हजार करोड़ रुपए से अधिक की रेवले परियोजनाएं संचालित है और वर्ष 2025-26 के बजट में राज्य को 6925 करोड़ रूपए का ऐतिहासिक आबंटन प्राप्त हुआ है। यह केंद्र सरकार की राज्य के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

श्री डेका ने कहा कि स्टेशनों के विकसित होने से छत्तीसगढ़ में पर्यटन, व्यापार और सांस्कृतिक समन्वय को नई ऊंचाई मिलेंगी। विशेष रूप से जनजातीय, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए रेलवे एक विकास की मजबूत कड़ी बनकर उभरेगी। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, रेल मंत्री और भारतीय रेलवे का छत्तीसगढ़ की जनता की ओर से आभार प्रकट किया और विश्वास व्यक्त किया कि अमृत भारत स्टेशन सामाजिक, आर्थिक प्रगति में उत्प्रेरक की भूमिका निभाएंगे।

कार्यक्रम में उपस्थित वन एवं जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन, कौशल विकास एवं सहकारिता मंत्री तथा रायपुर जिले के प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप ने छत्तीसगढ़ में प्रस्तावित रेल परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि यह हमारे राज्य के लिए बहुमूल्य उपहार है।

रायपुर के सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि रेलवे हमारे देश की जीवन रेखा है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ के 32 रेलवे स्टेशनों का विकास हो रहा है। जिसके लिए केंद्र सरकार द्वारा 1680 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए है।

कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री तरूण प्रकाश ने दिया। रेलवे द्वारा आयोजित निबंध प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी बच्चों को प्रमाण पत्र दिया गया।

इस अवसर पर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, श्री मोतीलाल साहू, श्री गुरू खुशवंत साहेब, श्री सुनील सोनी एवं अन्य जनप्रतिनिधि, रेलवे के डीआरएम, एडीआरएम अन्य अधिकारी तथा विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन रेलवे मंडल रायपुर के डीआरएम श्री दयानंद ने किया।

मुख्यमंत्री ग्राम दोकड़ा में भगवान जगन्नाथ मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल हुए

00 मुख्यमंत्री ने महतारी सदन का किया भूमि पूजन

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय बुधवार को कांसाबेल विकास खंड के ग्राम दोकड़ा के प्राचीन श्री जगन्नाथ मंदिर के जीर्णोद्धार पश्चात प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने भगवान जगन्नाथ की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने दोकड़ा में 24 लाख 74 हजार की लागत से बनने वाले महतारी सदन का भूमि पूजन किया। मुख्यमंत्री ने दोकड़ा के श्री जगन्नाथ मंदिर समिति के सदस्यों को धन्यवाद देते हुए उनके कार्यों की सराहना की। दोकड़ा में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा 1942 से निकाली जा रही है। रथ यात्रा की शुरूआत दोकड़ा गांव के पंडित स्व सुदर्शन सतपथी और उनकी धर्मपत्नी श्री सुशीला सतपथी के द्वारा शुरू किया गया था। मंदिर का निर्माण 1968 में किया गया था। मंदिर के जर्जर होने के कारण मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय ने मंदिर का जीर्णोद्धार करने का संकल्प लिया था। उन्होंने इस कार्य में सहयोग के लिए ग्रामवासियों का धन्यवाद भी दिया है।

हाईवा और ट्रक में टक्कर, हाइवा चालक गंभीरे

रायपुर। गुरुवार की सुबह आमानाका इलाके में रेत परिवहन कर रही हाईवा और ट्रक के बीच जोरदार टक्कर में हाईवा का चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि हाईवा चालक केबिन में फंस गया। क्रेन की मदद से दोनों वाहनों को अलग कर चालक को बाहर निकाल इलाज के लिए एम्स अस्पताल भेजा गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

नम्बाला केशव राव उर्फ बशव राजू सहित 27 नक्सलियों के शव हेलीकॉप्टर से नारायणपुर लाया गया

नारायणपुर। नारायणपुर, बीजापुर, दंतेवाड़ा के सीमावर्ती क्षेत्र अंतर्गत अबूझमाड़ के बोटेर इलाके में बुधवार को हुए पुलिस नक्सली मुठभेड़ में मारे गए डेढ़ करोड़ के इनामी नक्सली नम्बाला केशव राव उर्फ बशव राजू सहित 27 नक्सलियों के शव नारायणपुर मुख्यालय लाया गया, वायु सेना के एमआई- 17 हेलीकॉप्टर से सभी मारे गए नक्सलियों के शव नारायणपुर जिला मुख्यालय लाया गया है।

नक्सली नम्बाला केशव राव उर्फ बशव राजू को मार गिराना कितना अहम

डेढ़ करोड़ के इनामी नक्सली नम्बाला केशव राव उर्फ बशव राजू को मार गिराना कितना अहम है इस बात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उसका शव नारायणपुर जिला मुख्यालय तक हेलीकॉप्टर से लाया गया है। बुधवार को दिनभर नारायणपुर जिले का मौसम खराब था, इसलिए हेलीकॉप्टर मौके पर नहीं पहुंच पाया। नक्सली नम्बाला केशव राव उर्फ बशव राजू का शव तगड़ी सुरक्षा के बीच रखा गया था। ऐसा पहली बार हो रहा है जब किसी एक नक्सल लीडर के शव के लिए लिए इतनी एहतियात बरती जा रही है। बुधवार देर रात तक नम्बाला केशव राव उर्फ बशव राजू का शव जंगल में ही थी, शव को एक हजार से ज्यादा जवान घेरे हुए थे। गुरुवार सुबह सूरज की पहली किरण के साथ उसकी शव हेलीकॉप्टर से नारायणपुर जिला मुख्यालय लाया गया है । पुलिस ने मुठभेड़ में मारे गए बसव राजू के अलावा किसी भी नक्सली का नाम अभी जारी नहीं किया है। माना जा रहा है कि आज गुरुवार को नक्सलियों के शव नारायणपुर जिला मुख्यालय पहुंचेगी इसके बाद विस्तृत जानकारी दी जायेगी। सूत्र बता रहे हैं कि इस मुठभेड़ में नक्सलियों की दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी का सदस्य 25 लाख का ईनामी मधु भी मारा गया है। साथ ही तेलंगाना कैडर से दो अन्य नक्सली मारे गए हैं।

1987 में लिट्टे के पूर्व सैनिकों को बस्तर बुलाकर ली थी ट्रेनिंग

नम्बाला केशव राव उर्फ बसव राजू ने बस्तर में नक्सल संगठन को मिलिट्री आर्मी का रूप दिया था। नक्सलियों ने अब तक उसके बताए मॉडल पर काम करते हुए हजारों हत्याएं की थी। कहा जाता है कि साल 1987 में उसने बस्तर के जंगलों में श्रीलंकाई लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम यानी लिट्टे के पूर्व सैनिकों से घातक हमलों और विस्फोटक सामग्री के उपयोग का प्रशिक्षण लिया था । तब से आज तक उसी गुरिल्ला वॉर के तहत नक्सली लड़ाई लड़ते नजर आ रहे हैं।

नक्सल अभियान की सफलता की बात होगी तो डीआरजी जवानों का होगा उल्लेख

नक्सल इतिहास के सबसे बड़े नक्सल विरोधी अभियान की जब भी सफलता की बात होगी तो डीआरजी जवानों का उल्लेख जरूर होगा। डीआरजी के जवान ही इस ऑपरेशन पर क्यों गए इसकी चर्चा हो रही है। ऐसा इसलिए क्योंकि बड़े ऑपरेशन में अलग-अलग सुरक्षा बल के जवान होने पर समन्वय में दिक्कत होती है। वहीं डीआरजी जवान माड के चप्पे-चप्पे से वाकिफ थे इसलिए उन्हें भेजा गया। ऐसा पहली बार हुआ जब सिर्फ डीआरजी के जवानों को भेजा गया। इससे पहले के सभी ऑपरेशन में अलग-अलग बल के जवानों के साथ डीआरजी जवान रहते थे। इस बार नारायणपुर, कोण्डागांव, बीजापुर और दंतेवाड़ा के एक हजार से ज्यादा जवान माड़ में दाखिल हुए और नक्सली संघटन के महासचिव बसवा राजू को ढेर कर दिया। बसव राजू कितना बड़ा नक्सली था इस बात का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि हिड़मा के हाथ में हथियार थमाने वाला वही था। हिड़मा को हिड़मा बनाने वाला वही था। उसने ही नक्सलियो की सबसे दुर्दांत पीएलजीए बटालियन खड़ी की थी। वह नक्सलियों की सैन्य इकाई का लंबे वक्त तक प्रमुख रहा।

बड़ी सफलता के बाद सुरक्षाबल अलर्ट पर

पिछले डेढ़ वर्ष में सुरक्षाबलों ने सैकड़ों नक्सलियों को मारा लेकिन बुधवार को बसव राजू के मारे जाने के बाद से बस्तर में हलचल है। किसी भी तरह की विपरित स्थिति से निपटने के लिए सुरक्षाबला अलर्ट पर है। केंद्र से भी स्पष्ट निर्देश हैं कि सतर्क व चौकन्ना रहें।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत जिले के 479 ग्रामों का हुआ चयन

रायपुर। भारत सरकार जनजातीय कार्य मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का शुभारंभ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 02 अक्टूबर 2024 को किया गया था। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जनजातीय गांवों तथा आकांक्षी जिलों मे निवासरत जनजातीय परिवारों का सामाजिक तथा आर्थिक स्थिति में उत्तरोत्तर सुधार करना है, ताकि जनजातीय परिवारों का त्वरित गति से विकास सुनिश्चित किया जा सके। इसमें सामुदायिक अधोसंरचना में सुधार के साथ-साथ सामाजिक और आर्थिक स्तर में उन्नयन व प्रत्येक परिवारों को सभी शासकीय योजनाओं का लाभ मिल सके। इस अभियान में 17 मंत्रालयों द्वारा क्रियान्वित किए जाने वाले 25 हस्तक्षेप शामिल है। भारत सरकार जनजातीय कार्य मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा कोरबा जिला अंतर्गत धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत कुल 479 ग्रामों का चयन किया गया है, जिसमें विकासखंड कोरबा के 122 ग्राम, विकास खण्ड कटघोरा के 28 ग्राम, विकास खण्ड करतला के 60 ग्राम, विकास खण्ड पाली के 73 एवं विकासखंड पोंड़ी उपरोड़ा के 196 ग्राम शामिल हैं। इन 479 ग्रामों के कल्याण एवं संवर्धन के लिए श्री अजीत वसंत कलेक्टर कोरबा के मार्गदर्शन एवं निदेर्शानुसार कार्ययोजना बनाई जा रही है।

सहायक आयुक्त आदिवासी विकास कोरबा ने बताया गया कि जिले में निवासरत जनजातीय वर्ग के लोगो के उत्थान हेतु विभिन्न विभागों द्वारा धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से बुनयादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका, आंगनबाड़ी, आवास इत्यादि गैप की पहचान कर अंतराल को भरना है ताकि अभिसरण और संतृप्तिकरण के माध्यम से आदिवासी क्षेत्रों और समुदायों का समग्र और सतत विकास सुनिश्चित किया जा सके।

इस अभियान के माध्यम से ग्राम स्तर एवं कलस्टर स्तर के शिविरों के माध्यम से दीर्घकालिक एवं तात्कालिक गतिविधियों के अंतर्गत आधार कार्ड, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम- किसान सम्मान निधि, जन-धन खाता, बीमा कवरेज, सामाजिक सुरक्षा (वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन), रोजगार और आजीविका योजनाएं (एमजीएनआरईजीए, पीएम विश्वकर्मा, मुद्रा ऋण), महिला एवं बाल कल्याण (पीएमएमवीवाई, आईसीडीएस लाभ, टीकाकरण) जनजातीय परिवारों को पक्का घर, गांवों में सड़क, बिजली, पानी, मोबाईल मेडिकल यूनिट्स, आवासीय विद्यालयों व छात्रावास/आश्रमों के उन्नयन तथा कौशल विकास और रोजगार के अवसर की उपलब्धता इत्यादि गतिविधियों के माध्यम से जनजातीय बाहुल्य ग्रामों को संतृप्तिकरण किया जाना है। इस योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु 15 जून से 30 जून 2025 तक धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान जागरूकता और लाभ संतृप्ति शिविर का आयोजन जिलें में संचालित किया जायेगा। ग्रामीणों से अपील की गई है कि उक्त शिविरां में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर शासकीय योजनाओं का लाभ लें।

मुख्यमंत्री ने दोकड़ा में पीएम आवास योजना के हितग्राही संतु चक्रेस को चाबी देकर गृह प्रवेश कराया

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बुधवार को कांसाबेल विकास खंड के ग्राम दोकड़ा में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत हितग्राही श्री संतु चक्रेस को उनके नए आवास की चाबी देकर गृह प्रवेश कराया। संतु चक्रेश ने मुख्यमंत्री को बताया कि पहले कच्चा मकान होने के कारण बरसात और गर्मी के मौसम में बहुत परेशानी होती थी। उन्होंने मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि अब उन्हें चिंता से मुक्ति मिल गई।

■ स्वामी, मुद्रक प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, नरेन्द्र सिंह टुटेजा द्वारा निर्माण ऑफसेट, आदर्श नगर डॉ. भीमराव अंबेडकर वार्ड (मोवा थाना के सामने) मोवा रायपुर से मुद्रित कर वेलकम टॉवर, शंकर नगर फ्लैट नम्बर बी-1 से प्रकाशित ■ प्रधान संपादक -महेन्द्र सिंह टुटेजा, प्रबंध संपादक - नरेन्द्र सिंह टुटेजा, Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ■ Email- raipurambikavani@gmail.com